॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

Autonomous

Scheme of Evaluation for Continuous Assessments and Semester End Examinations for Post-graduate Programmes under Faculty of Arts

Under Autonomous status with Credit Based Semester and Grading System

(To be implemented from Academic Year 2023-2024)

University of Mumbai

II ivaVa ivanayaona SaaoBato II

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel Autonomous

Department of Hindi

Master of Arts (M.A.-I) *Revised Syllabus for Academic Yeas-2023-2024*

Board Studies in Hindi

Sr. No.	Name	Designation	Position
1	Prof. (Dr.) S.K. Patil	Principal	Member (Faculty)
2	Dr. U.T. Bhandare	Head, Department of Hindi	Chairman
3	Dr. (Mrs.) G.S. Tanwar	Assistant Professor	Member (Faculty)
4	Dr. Bisen Jogendrasingh Motisingh	Professor	Member (Faculty)
5	Dr. Hubnath Pandey	Professor	Member (Faculty)
6	Dr.Balkavi Suranje	Professor	Member (Faculty)
7	Dr. Sunita M. Sakhare	Associate Professor	Member (Faculty)
8	Dr. Gharat Arjun Janu	Associate Professor	Member (Faculty)
9	Mr. V. N. Ekambe	Rotary President,	Member (Faculty)
10	(Mrs.). Kavita Shaema	Ex-P.G.Students	Member (Faculty)

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

Autonomous

Affiliated to University of Mumbai

DEPARTMENT OF HINDI

Master of Arts (M.A. Part -I) Revised Syllabus For

Syllabus of Major for M.A.

Choice Based Credit & Grading System (60:40)

New Course Introduced under National Education Policy, 2020

With effect from the Academic Year 2023-24

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

Autonomous

CONTENT

Programme- Master of Arts (M.A.-I)

Semester- I			
Sr.No	**Items**	**Title of the course**	**Credits**
1.	Major C1	हिंदी साहित्य का इतिहास-I History of Hindi Literature-I	04
2.	Major C2	आधुनिक गद्य-I (Modern Prose)	04
3.	Major C3	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा-I (Linguistics and Hindi Language)	04
4.	Major C4	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-I (Ancient and Medieval Poetry-I)	02
5.	Elective1	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (Identity discourse and Hindi literature)	04
6.	Minor-3	शोध प्रविधि प्रक्रिया (Research Methodology Process)	04
		Total Credits	**22**

Semester- II			
Sr.No	**Items**	**Title of the course**	**Credits**
1.	Major C5	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)-II History of Hindi Literature (Modern period)	04
2.	Major C6	आधुनिक गद्य-II (Modern Prose)	04
3.	Major C7	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा-II (Linguistics and Hindi Language)	04
4.	Major C8	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-II (Ancient and Medieval Poetry-II)	02
5.	Elective2	हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन (Hindi cinema and its studies)	04
6.	OJT	नौकरी के प्रशिक्षण पर (On Job Training)	04
		Total Credits	**22**

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of MajorC1 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24
Course Code: **PAR1HN1**

Name of the Paper & Paper No. I <u>हिंदी साहित्य का इतिहास</u>

Semester I
M.A. Hindi Part-I
Paper No. I

हिंदी साहित्य का इतिहास

Name of the Programme : M.A.

Name of the Course : **MajorC1**

Course Code : PAR1HN1

Total Lectures : 60

Total credit : 04

Course Objective

पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य के इतिहास के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल के समय को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना रहा है। हिंदी विषय को पढने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हिंदी कविता के प्रत्येक बदलते परिवेश को पाठ्यक्रम के अनुक्रम को अच्छे से जान सकेंगे। पाठ्यक्रम का यह पक्ष हिंदी साहित्य की कविता के आदिकाल, स्वर्ण युग माने जाने वाले भक्तिकाल, रीतिकाल, और आधुनिक काल की कविता के पक्ष को उजागर करता है। इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निम्नलिखित बिन्दुओं के माद्यम से जाना जा सकता है:-

1.हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।

2.भक्तिकाल के दो प्रमुख कवियों–अमीर खुसरो और विद्यापति की विशिष्ठ भूमिका रही है, इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।

3.भक्तिकाल के अंर्तगत-संतकाव्य, सूफी काव्य, राम काव्य और कृष्ण काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य प्रमुख कवियों के योगदान की चर्चा करना।

4.आधुनिक कविता से परिचय कराना।

5.रचना –प्रक्रिया और विश्लेषण।

6.आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की कविताओं में निहित भा-सौन्दर्य से विद्यार्थी को परिचित कराना।

7.कविता के मूल भावपक्ष को रह्द्यगम करने में सक्षम बनाना।

8.कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना।

9.विद्यार्थियों को काव्य सौन्दर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।

10.काव्य प्रवृतियों के माध्यम से युग बोध पर विचार करना।

11.कविताओं में अभिव्यक्त जीवन के गुण-दोष का बोध कराना।

12.हिंदी साहित्य विशेष में निहित विचार से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण करना।

13.उत्तर मध्यकालीन हिंदी साहित्य का अध्ययन समयावधि के साहित्य की स्थिति से अवगत कराएगा।

14.सामाजिक, राजनितिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता और उसकी विशेषताओं के अध्ययन और विश्लेषण की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-

1.आदिकाल के परिवेश-राजनीतिक, सामाजिक, सास्कृतिक, धार्मिक, परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।
2.आदिकाल में अमीर खुसरो और विद्यापति के साहित्यिक संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3.भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता के अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4.भक्तिकालीन साहित्य सामन्ती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काल की विशिष्ट उपलब्धी है।
5.आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी।
6.साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण।
7.कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी।
8.इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी साहित्य को काल विशेष के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
9.उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी साहित्य किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है।
10.विद्यार्थी वैचारिक मूल्यों को जान सकेंगे।
11.कविता के भाव सौन्दर्य और कला सौन्दर्य को जाना जा सकेगा।
12.हिंदी के उत्तर मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
13.ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
12.आज भूमंडलीकरण का युग है। हिंदी साहित्य अन्य देशों में भी मानवीय आचरण की सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को रह्द्यगम करने में समर्थ है।

Teaching Learning Process

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन।
2.निर्धारित परिवेश, प्रवृतियों, कवियों, पर विचार-विमर्श।
3.परिवेश, प्रवृतियों, कवियों को संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रक्ष्य में देखना।
4.कविताओं के विषय प्रवृतियों परिवेश की भाषा की प्रक्रति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना।
5.तत्कालीन परिस्थितियों में कवियों का विश्लेषण करना।

Semester –I

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**MAJORC1**
Name of the Paper	**:**	**हिंदी साहित्य का इतिहास**
Paper No.	**:**	I
Course Code	**:**	PAR1HN1
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई 1. इतिहास दर्शन **व्याख्यान-20**

1.1. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन
1.2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएं
1.3. हिंदी साहित्य का इतिहास:काल विभाजन एवं नामकरण

1.4. आदिकाल

1.4.1. परिवेश एवं पृष्ठभूमि

1.4.2. सिद्ध साहित्य

1.4.3. नाथ साहित्य

1.4.4. रासो साहित्य

1.4.5. अमीर खुसरो

1.4.6. विद्यापति

इकाई 2. भक्तिकाल **व्याख्यान-10**

2.1. भक्तिकाल:परिवेश एवं पृष्ठभूमि

2.1.1. भक्ति आन्दोलन का विकास

2.1.2. संत काव्य:परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

2.1.3. सूफी काव्य:परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 3. भक्तिकाल **व्याख्यान-15**

3.1.1. राम भक्ति काव्य:परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

3.1.1. कृष्ण भक्ति काव्य:परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

3.1.1. भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

इकाई 4. रीतिकाल **व्याख्यान-15**

4.1.1. रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ

4.1.1. रीतिसिद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ

4.1.1. रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- II

Syllabus of MajorC5 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24
Course Code: **PAR2HN5**

Name of the Paper & Paper No.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)-V

Semester II

M.A. Hindi Part-I

Paper No. V

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)-V

Name of the Programme	: M.A. -I
Name of the Course	: **MAJORC5**
Course Code	: PAR2HN5
Total Lectures	: 60
Total credit	: 04

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**MajorC5**
Name of the Paper	**:**	**हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)-V**
Paper No.	**:**	V
Course Code	**:**	PAR2HN5
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई 1. **व्याख्यान-15**

1.1. आधुनिकता की अवधारणा तथा आधुनिक कालीन परिवेश

1.2. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन

1.2.1. भारतेंदु युग

1.2.2. द्विवेदी युग

1.2.3. छायावाद

1.2.4. प्रगतिवाद

1.2.5. प्रयोगवाद

इकाई 2. **व्याख्यान-15**

2.1.1. हालावाद

2.1.2. नई कविता

2.1.3. नवगीत

2.1.4. साठोत्तरी कविता

2.1.5. समकालीन कविता

2.1.6. इक्कीसवी सदी की कविता

इकाई 3. **व्याख्यान-15**

3.1. **हिंदी गद्य साहित्य की गद्य विधाओं का क्रमिक विकास**

3.1.1. उपन्यास

3.1.2. कहानी

3.1.3. नाटक

3.1.4. निबन्ध

इकाई 4. **व्याख्यान-15**

4.1. आलोचना

4.2. रिपोर्ताज

4.3. जीवनी

4.4. आत्मकथा

4.5. रेखाचित्र

4.6. संस्मरण

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	हिंदी साहित्य की भूमिका	:-	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3.	हिंदी साहित्य का अतीत	:-	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	प्रोफेसर डॉ.भंडारे उद्धव तुकाराम
5.	हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	:-	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	हिंदी साहित्य:उद्भव और विकास	:-	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	संपादक डॉ.नगेन्द्र
8.	हिंदी साहित्य का आदिकाल	:-	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9.	साहित्य का इतिहास दर्शन	:-	नलिन विलोचन शर्मा
10.	साहित्य और इतिहास दृष्टि	:-	मैनेजर पाण्डेय
11.	मध्यकालीन साहित्य और सौन्दर्यबोध	:-	मुकेश गर्ग
12.	भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार	:-	संपादक गोपेश्वर सिंह
13.	आदिकालीन हिंदी साहित्य:अध्ययन की दिशाएँ	:-	संपादक अनिल राय
14.	अमीर खुसरो	:-	डॉ.हरदेव बाहरी
15.	खुसरो की हिंदी कविता	:-	ब्रजरत्न दास
16.	जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन	:-	प्रोफेसर हरेन्द्र प्रताप सिन्हा
17.	महाकवि जायसी और उनका काव्य	:-	डॉ.इकबाल अहमद
18.	मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	:-	डॉ.सिवसहाय पाठक
19.	जायसी पद्मावत काव्य दर्शन	:-	डॉ.गोविन्द त्रिगुनायत
20.	पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन	:-	डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
21.	पद्मावत का काव्य सौन्दर्य	:-	डॉ.चन्द्रबली पाण्डेय
22.	हिंदी के प्रतिनिधि कवि	:-	डॉ.सुरेश अग्रवाल
23.	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	:-	डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त

24.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
25.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
26.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.श्यामचन्द्र कपूर
27.	हिंदी साहित्य का दुसरा इतिहास	:-	डॉ.बच्चन सिंह
28.	हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ	:-	डॉ.गोविन्दराम शर्मा
29.	हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	:-	डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
30.	आधुनिक साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.बच्चन सिंह
31.	हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास	:-	बाबू गुलाबराय
32.	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	:-	डॉ.रामकुमार वर्मा
33.	हिंदी गद्य:उद्भव और विकास	:-	डॉ.उमेश शास्त्री
34.	हिंदी साहित्य का एक परिचय	:-	डॉ.त्रिभुवन सिंह
35.	हिंदी रीति साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.भगीरथ मिश्र
36.	रीतियुगीन काव्य	:-	डॉ.कृष्ण चन्द्र
37.	रीतिकाव्य की भूमिका	:-	डॉ.नगेन्द्र
38.	आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल	:-	डॉ.नारायण चतुर्वेदी
39.	हिंदी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ	:-	डॉ.शिवकुमार शर्मा
40.	हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिगत इतिहास	:-	डॉ.सभापति मिश्र
41.	हिंदी साहिओटी का इतिहास	:-	डॉ.माधव सोनटक्के
42.	हिंदी साहित्य का अध्यतन इतिहास	:-	डॉ.मोहन अवस्थी
43.	हिंदी साहित्य का सही इतिहास	:-	डॉ.चन्द्रभानु सोनवने, डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
44.	हिंदी साहित्य का आधा इतिहास	:-	डॉ.सुमन राजे
45.	हिंदी साहित्य की नवीं विधाएँ	:-	डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
46.	आधुनिक कविता में काव्य चिन्तन	:-	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
47.	हिंदी साहित्य का इतिहास:नए विचार नई दिशाएँ	:-	डॉ.सुरेशकुमार जैन
48.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.सज्जनराम केनी

49. हिंदी साहित्य :- डॉ.धर्मवीर भारती

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर I और II के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC1, MAJORC5 (1, 5,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (इकाई	कुल अंक:-	12

	तीन)		
प्रश्न 4.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	अतिलघुत्तरी प्रश्न/बहुविकल्पीय प्रश्न (इकाई एक, दो, तीन और चार पर)	कुल अंक:-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	06

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of MajorC2 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24
Course Code: **PAR1HN2**

Name of the Paper & Paper No. II आधुनिक गद्य

Semester I
M.A. Hindi Part-I
Paper No. I

आधुनिक गद्य

Name of the Programme	: M.A.-I
Name of the Course	: **MAJORC2**
Course Code	: PAR1HN2
Total Lectures	: 60
Total credit	: 04

Course Objective

1.हिंदी निबन्ध साहित्य की जानकारी विद्यार्थियों को देना।
2.हिंदी साहित्य के प्रकारों की जानकारी देना।
3.हिंदी के विविध गद्य विधाओं के बारे में ज्ञानार्जित करवाना।
4.हिंदी कहानी साहित्य के के संबंध में जानकारी देना।
5.हिंदी कहानी साहित्य और उसके विकास पर प्रकाश डालना।
6.यात्रा साहित्य विधा के सैध्दांतिक विवेचन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

7.यात्रा साहित्य विधा के प्रमुख साहित्यकार तथा उनके यात्रा वर्णन का ज्ञान विद्यार्थियों प्रदान कराना
8.यात्रा साहित्य की कृतियों के माध्यम से विद्यार्थियों में यात्रा साहित्य लेखन की कला से परिचित कराना।
9.दलित आत्मकथाओं के सन्दर्भ में सामान्य जानकारी मिल सकेगी।
10.एक दलित स्त्री की आत्मकथा के माध्यम से वर्ण-जाति एवं पुरुष सत्ता के क्रूर एवं घृणित चेहरे को समझ सकेंगे।
11.एक दलित स्त्री के व्यथा एवं उसके संघर्ष से रूबरू हो सकेंगे।
12.दलित आत्मकथाओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं से रूबरू हो सकेंगे।
13.माधवी नाटक की मूल कथा जान सकेंगे।
14.भीष्म सहानी जी ने महाभारत की कथा को कैसे नाटक के रूप में लिखा यह समझ सकेंगे
15.माधवी नाटक के माध्यम से नाटककार क्या दर्शाना चाते हैं इसका विश्लेष्ण कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-

1.हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होना।
2.गद्य के अध्ययन से रचनात्मक लेखन में रूचि उत्पन्न होगी।
3.हिंदी कहानी के स्वरूप को समझने की योग्यता निर्माण होगी।
4.कहानी लेखन और पठन में रूचि निर्माण होगी।
5.कहानी के तत्वों के आधार कहानी रचना की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं।
6.अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्त करने की क्षमता उत्त्पन्न होगी।
7.हिंदी कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
8.साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता को दिशा देना।
9.उपन्यास, नाटक कहानी आत्मकथा और यात्रा वृत्तान्त जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोस्त्साहित करना।
10.हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख नाटककारों और उनके नाटकों की समझ विकसित होगी।
11.इस पाठ्यक्रम को पढने के उपरान्त छात्रों को यात्रा साहित्य विधा का सैध्दांतिक ज्ञान प्राप्त होगा।
12.यात्रा साहित्य विधा का विकासात्मक परिचय प्राप्त होगा।
13.पठित साहित्य कृतियों के माध्यम से विद्यार्थी यात्रा साहित्य लेखन की कला को आत्मसात करेंगे।

Teaching Learning Process

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन।
2.निर्धारित परिवेश, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबन्ध, यात्रा वृतांत पर विचार-विमर्श।
3.निबन्धों, कहानी, नाटक, उपन्यास आदि विधायों का वाचन।
4.उक्त विधाओं का तात्विक विवेचन कराना।
5.उक्त विधाओं की परिभाषा स्वरूप तत्वों को जानना।

Semester –I

Name of the Programme	**:-**	M.A.-I
Name of the Course	**:-**	**MAJORC2**
Name of the Paper	**:-**	**आधुनिक गद्य**
Paper No.	**:-**	**II**
Course Code	**:-**	PAR1HN2
Total Lectures	**:-**	**60**
Total Credit	**:-**	**04**

List of Test Books

अनु.क्र	किताब का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम
1.	गोदान (उपन्यास)	मुंशी प्रेमचन्द	मनोज पब्लिकेशन ७६१, मेन रोड बुराड़ी दिल्ली-११००८४
2.	माधवी (नाटक)	भीष्म सहानी	राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.१-बी, नेताजी सुभास मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२
3.	सरदार पूर्ण सिंह अध्यापक के निबन्ध	संपादक-प्रभात शास्त्री साहित्याचार्य, साहित्यरत्न	कौशांबी प्रकाशन दारागंज, इलाहबाद

	1.1.	**गोदान (उपन्यास) मुंशी प्रेमचन्द**	
	1.2.	मुंशी प्रेमचन्द का जीवन परिचय	
	1.3.	गोदान उपन्यास का कथा सार	
	1.4.	उद्देश्य	
	1.5.	**भारतीय किसान की स्थिति**	
	1.6.	गाय का महत्व	
	1.7.	समस्याएँ	
	1.8.	पात्र एवं चरित्र चित्रण	
	1.9.	आर्थिक, सामाजिक, यौन शोषण	
	1.10.	राष्ट्रीय आन्दोलन, स्वराज की चेतना	
इकाई	**2.**		**व्याख्यान-20**
	2.1.	माधवी (नाटक) भीष्म सहानी	
	2.1.1.	भीष्म शानी का जीवन परिचय	
	2.1.2.	माधवी नाटक का कथा सार	
	2.1.3.	उद्देश्य	
	2.1.4.	माधवी नाटक का वैशिष्ट्य	
	2.1.5.	पात्र एवं चरित्र चित्रण	
	2.1.6.	शिल्प विधान	
	2.1.7.	रंगमंच और अभिनेता की दृष्टि से माधवी	
इकाई	**3.**		**व्याख्यान-10**
	3.1.	सरदार पूर्ण सिंह अध्यापक के निबन्ध- संपादक-प्रभात शास्त्री साहित्याचार्य, साहित्यरत्न	
	3.1.1.	सच्ची वीरता	
	3.1.2.	आचरण की सभ्यता	
	3.1.3.	मजदूरी और प्रेम	
इकाई	**4.**		**व्याख्यान-10**
	4.1.1.	कन्यादान	
	4.1.1.	पवित्रता	
	4.1.1.	अमेरिका का मस्त जोगी वाल्ट हिटमैन	

Semester –II

Name of the Programme	**:-**	M.A.-I
Name of the Course	**:-**	MAJORC6
Name of the Paper	**:-**	**आधुनिक गद्य**
Paper No.	**:-**	VI

Course Code	**:-**	PAR2HN6
Total Lectures	**:-**	**60**
Total Credit	**:-**	**04**

List of Test Books

अनु.क्र	किताब का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम
1.	दोहरा अभिशाप (आत्मकथा)	कौशल्या बैसंत्री	परमेश्वरी प्रकाशन, नई दिल्ली
2.	घुमक्कड़ शास्त्र (यात्रा वृतांत)	राहुल सांस्कृत्यायन	किताब महल, नई दिल्ली
3.	कथा मंजरी	संपादक-महेंद्र कुलश्रेष्ठ	राजपाल एण्ड सन्ज, १५९०, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट-दिल्ली -११०००६

इकाई	**1.**		**व्याख्यान-20**
	1.1.	**दोहरा अभिशाप (आत्मकथा) कौशल्या बैसंत्री**	
	1.1.2.	**कौशल्या बैसंत्री का जीवन परिचय**	
	1.1.3.	उद्देश्य	
	1.1.4.	कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता	
	1.1.5.	**पात्र एवं चरित्र चित्रण**	
	1.1.5.	देशकाल तथा वातावरण	
	1.1.7.	भाषा शैली	
	1.1.8.	समस्याएँ	
इकाई	**2.**		**व्याख्यान-20**

	2.1.	घुमक्कड़ शास्त्र (यात्रा वृतांत)-राहुल सांस्कृत्यायन	
	2.1.1.	अथा तो घुमक्कड़ जिज्ञासा	
	2.1.2.	जंगल तोड़ो	
	2.1.3.	पिछड़ी जातियों में	
	2.1.4.	घुम्मकड जातियों में	
	2.1.5.	स्त्री घुमक्कड़	
इकाई	**3.**		**व्याख्यान-10**
	3.1.	कथा मंजरी-संपादक-महेंद्र कुलश्रेष्ठ	
	3.1.1.	कफन-मुंशी प्रेमचन्द	
	3.1.2.	सच बोलने की भूल–यशपाल	
	3.1.3.	मलबे का मालिक-मोहन राकेश	
इकाई	**4.**		**व्याख्यान-10**
	4.1.1.	वापसी-उषा प्रियंवदा	
	4.1.1.	चीफ की दावत-भीष्म सहानी	
	4.1.1.	अपराध-उदय प्रकाश	

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	निबंधमाला हिंदी निबन्ध	:-	डॉ.भंडारे उद्धव तुकाराम
2.	घुमक्कड़ शास्त्र (यात्रा वृतांत)	:-	राहुल सांस्कृत्यायन
3.	कथा मंजरी	:-	महेंद्र कुलश्रेष्ठ
4.	दोहरा अभिशाप (आत्मकथा)	:-	कौशल्या बैसंत्री
5.	सरदार पूर्ण सिंह अध्यापक के निबन्ध	:-	संपादक-प्रभात शास्त्री साहित्याचार्य, साहित्यरत्न
6.	गोदान (उपन्यास)	:-	मुंशी प्रेमचन्द
7.	माधवी (नाटक)	:-	भीष्म सहानी
8.	आधुनिक संदर्भ में:'प्रतियोगितात्मक निबंध	:-	डा संतोष गौड़ राष्ट्रप्रेमी
9.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिंतामणी	:-	राजनाथ शर्मा
10.	निबन्ध मानस	:-	संपादक नलिन विलोचन शर्मा
11.	निबन्ध श्री	:-	संपादक डॉ.कुँवरचन्द्र प्रकाश सिंह
12.	निबन्ध पूर्णिमा	:-	संपादक डॉ.ब्रजकिशोर मिश्र
13.	प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार	:-	डॉ.विभूराम मिश्र

14.	समसामयिक हिंदी निबन्ध	:-	ज्ञानेद्र वर्मा
15.	साहित्यिक निबन्ध	:-	त्रिभुवन सिंह
16.	आदिवासी दस्तक विचार, परंपरा और साहित्य	:-	रमेशचन्द्र मीणा
17.	दलित विमर्श की भूमिका	:-	कंवल भारती
18.	दलित साहित्य का सौन्द्रयशास्त्र	:-	ओमप्रकाश वाल्मीकि
19.	दलित साहित्य का इतिहास	:-	डॉ.प्रवीन पी.राठोड
20.	दलित साहित्य में प्रमुख विधाएं	:-	माता प्रसाद

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर I और II के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC2, MAJORC6 (2, 6,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये तीन सन्दर्भ सहित व्याख्या में से दो प्रश्न का उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये तीन दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये तीन दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये तीन टिप्पणियों में से दो का उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	अतिलघुत्तरी प्रश्न/बहुविकल्पीय प्रश्न (इकाई एक, दो, तीन और चार पर)	कुल अंक:-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	06

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of MajorC1 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24

Course Code: **PAR1HN3**

Name of the Paper & Paper No. I भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Semester I
M.A. Hindi Part-I
Paper No. I
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: **MAJORC1**
Course Code	: PAR1HN3
Total Lectures	: 60
Total credit	: 04

Course Objective

1.हिंदी भाषा की व्यवस्था और उसके व्यवहार की जानकारी देना।
2.भाषा की व्याप्ति तथा भाषा वुज्ञान के अध्ययन क्षेत्र की जानकारी देना।
3.भाषा विज्ञान के माध्यम से वागयंत्र तथा उसके कार्यों से अवगत कराना।
4.हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास की परंपरा को समझना।
5.प्राचीन तथा मध्यकालीन आर्य भाषाओं से अवगत कराना।
6.देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास से अवगत करना।
7.भाषा के महत्व की जानकारी देना।
8.भाषा के रूप, अर्थ, वाकया, उसकी रूप रचना की जानकारी देना।
9.भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्रों को परिचित कराना।
10.भाषा विज्ञान तथा व्याकरण के तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान छात्रों को प्रदान कराना।
11.रूप विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
12.वाक्य विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
13.अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-

1.भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और व्यवहार को समझ सकेंगे।
2.भाषा विज्ञान के स्वन विज्ञान को समझ सकेंगे।
3. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जान सकेंगे।**

4. **हिंदी का वाक्य विन्यास की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।**
5. **रूप विज्ञान के संपूर्ण अवयवों से अवगत होंगे।**
6. **अर्थ विज्ञान के परिवर्तन की दिशाएँ और कारणों को समझ सकेंगें।**
7. **हिंदी की रूप रचना के अंगों से अवगत होंगे।**
8. **देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास तथा उसकी प्रमुख त्रुटियों को जान पायेंगे।**

Teaching Learning Process

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन।
2.इस विषय को समझने हेतु शास्त्रीय पध्दति का उपयोग।
3.वैज्ञानिक चार्ट का उपयोग।
4.मानव शरीर को मानचित्र का उपयोग।

Semester –I

Name of the Programme	**:**	M.A.-I

Name of the Course	**:**	**MAJORC3**
Name of the Paper	**:**	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**
Paper No.	**:**	I
Course Code	**:**	PAR1HN3
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई	**1.**	**भाषा**	**व्याख्यान-20**
	1.1.	भाषा की परिभाषा	
	1.2.	भाषा के अभिलक्षण	
	1.3.	भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार	
	1.4.	**भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य**	
	2.	भाषा विज्ञान	
	2.1.	नामकरण	
	2.2.	परिभाषा	
	2.3.	स्वरूप और व्याप्ति	
	2.4.	भाषा अध्ययन का क्षेत्र	
	2.5.	अध्ययन की दिशाएँ	
	2.6.	भाषा विज्ञान के प्रकार	
	2.7.	भाषा विज्ञान अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान	
इकाई	**2.**	**स्वन विज्ञान**	**व्याख्यान-10**
	2.1.	परिभाषा	
	2.2.	स्वरूप	
	2.3.	वाग अवयव और उनके कार्य	
	2.4.	स्वनिम की विशेषताएँ	
	2.5.	स्वनिम के भेद १.खण्डेय स्वनिम २.खण्डयेत्तर स्वनिम	
	2.6.	स्वन परिवर्तन की दिशाएँ	
	2.7.	स्वन परिवर्तन के कारण	
	2.8.	हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण	
इकाई	**3.**	**हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**	**व्याख्यान-15**
	3.1.	प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ	

	3.2.	मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पाली,प्राकृत शौरशेनी, अर्धमागधी अपभ्रंश और उसकी विशेषताएँ	
	3.3.	आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामन्य परिचय-मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम	
इकाई	**4.**	**हिंदी का वाक्य विन्यास**	**व्याख्यान-15**
	4.1.	पद	
	4.2.	पदक्रम	
	4.3.	वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)	

Semester –II

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**MAJORC7**
Name of the Paper	**:**	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**
Paper No.	**:**	II
Course Code	**:**	PAR1HN7
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई	**1.**	**रूप विज्ञान**	**व्याख्यान-20**
	1.1.	रूप विज्ञान का स्वरूप	
	1.2.	शब्द और रूप	
	1.3.	अर्थतत्व और संबंधतत्व के प्रकार	
	1.4.	रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण	
	1.5.	रूपिम और संरूप	
	1.6.	रूपिम के भेद	
	2.	वाक्य विज्ञान	
	2.1.	परिभाषा	
	2.2.	अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद	
	2.3.	वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण	
इकाई	**2.**	**अर्थ विज्ञान**	**व्याख्यान-10**
	2.1.	अवधारणा	
	2.2.	शब्द और अर्थ का संबंध	
	2.3.	अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	
	2.4.	अर्थ परिवर्तन की कारण	
इकाई	**3.**	**हिंदी की रूप रचना**	**व्याख्यान-15**
	3.1.	हिंदी की शब्द रचना	
	3.1.1.	धातु	
	3.1.2.	उपसर्ग	
	3.1.3.	प्रत्यय	
	3.1.4.	समास	
	3.2.	लिंग, वचन, कारक के सन्दर्भ में हिंदी के संज्ञा	
	3.2.1.	सर्वनाम	
	3.2.2.	विशेषण और क्रिया का रूपांतरण	
इकाई	**4.**	**देवनागरी लिपि**	**व्याख्यान-15**
	4.1.	नामकरण	
	4.2.	उद्भव और विकास	
	4.3.	विशेषताएँ	
	4.4.	मानक रूप एवं त्रुटियाँ	

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	भाषा विज्ञान	:-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
2.	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	:-	डॉ.कपिलदेव द्विवेदी
3.	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास	:-	डॉ.उदयनारायण तिवारी
4.	हिंदी भाषा	:-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
5.	सरल भाषा विज्ञान	:-	डॉ.अशोक शाह
6.	भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान	:-	डॉ.अंबादास देशमुख
7.	भाषा विज्ञान के अनुधुनातन आयाम	:-	डॉ.अंबादास देशमुख
8.	सामान्य भाषा विज्ञान सैध्दांतिक विवेचन	:-	डॉ.विद्यासागर दयाल
9.	वर्ण विज्ञान	:-	डॉ.प्रभात रज्जन सरकार
10.	अकादमिक हिंदी व्याकरण	:-	प्रोफेसर डॉ.भंडारे उद्भव तुकाराम
11.	भाशाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा	:-	डॉ.देवेन्द्र कुमार शास्त्री
12.	हिंदी व्याकरण प्रकाश	:-	डॉ.महेंद्र कुमार सक्सेना
13.	भाषा विज्ञान की रूपरेखा	:-	द्वारका प्रसाद सक्सेना
14.	नागरी लिपि रूप और सुधार	:-	मोहन बाहरी
15.	हिंदी उद्भव विकास और रूप	:-	हरदेव बहारी
16.	भाषा और भाषिकी	:-	डॉ.देविशंकर द्विवेदी
17.	सामान्य भाषा विज्ञान	:-	डॉ.बाबुराव सक्सेना
18.	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	:-	डॉ.महावीरशरण जैन

19.	आधुनिक भाषा विज्ञान के सिध्दांत	:-	डॉ.रामकिशोर शर्मा

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर । और ॥ के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC2, MAJORC6 (2, 6,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये तीन टिप्पणियों में से दो का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	अतिलघुत्तरी प्रश्न/बहुविकल्पीय प्रश्न (इकाई एक, दो, तीन और चार पर)	कुल अंक:-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	06

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of MajorC4 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24
Course Code: **PAR1HN1**

Name of the Paper & Paper No. I प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Semester I

M.A. Hindi Part-I

Paper No. I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: **MAJORC4**
Course Code	: PAR1HN1
Total Lectures	: 30
Total credit	: 02

Course Objective

1.हिंदी भाषा की व्यवस्था और उसके व्यवहार की जानकारी देना।
2.भाषा की व्याप्ति तथा भाषा वुज्ञान के अध्ययन क्षेत्र की जानकारी देना।
3.भाषा विज्ञान के माध्यम से वागयंत्र तथा उसके कार्यों से अवगत कराना।
4.हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास की परंपरा को समझना।
5.प्राचीन तथा मध्यकालीन आर्य भाषाओं से अवगत कराना।
6.देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास से अवगत करना।
7.भाषा के महत्व की जानकारी देना।
8.भाषा के रूप, अर्थ, वाकया, उसकी रूप रचना की जानकारी देना।
9.भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्रों को परिचित कराना।
10.भाषा विज्ञान तथा व्याकरण के तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान छात्रों को प्रदान कराना।
11.रूप विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
12.वाक्य विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
13.अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-

1.भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और व्यवहार को समझ सकेंगे।
2.भाषा विज्ञान के स्वन विज्ञान को समझ सकेंगे।
3. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जान सकेंगे।**
4. **हिंदी का वाक्य विन्यास की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।**
5. **रूप विज्ञान के संपूर्ण अवयवों से अवगत होंगे।**
6. **अर्थ विज्ञान के परिवर्तन की दिशाएँ और कारणों को समझ सकेंगें।**
7. **हिंदी की रूप रचना के अंगों से अवगत होंगे।**
8. **देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास तथा उसकी प्रमुख त्रुटियों को जान पायेंगे।**

Teaching Learning Process

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन।

2.इस विषय को समझने हेतु शास्त्रीय पध्दति का उपयोग।

3.वैज्ञानिक चार्ट का उपयोग।

4.मानव शरीर को मानचित्र का उपयोग।

Semester –I

Name of the Programme	:	M.A.-I
Name of the Course	:	**MAJORC4**
Name of the Paper	:	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**
Paper No.	:	I

Course Code	**:**	PAR1HN1
Total Lectures	**:**	**30**
Total Credit	**:**	**02**

इकाई	**1.**	**भक्तिकालीन हिंदी कविता**	**व्याख्यान-15**
	1.1.	संत कबीरदास:- संपादक हजारी प्रसाद द्विवेदी प्रकाशक मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई	
		व्याख्या हेतु पद	
	1.1.1.	साखी-	
	1.1.1.1.	गुरु को अंग- 3, 11, 16, 27, 28, 34	
	1.1.1.2.	विरह को अंग- 1, 5, 6, 22, 40, 45	
	1.1.1.3.	परचा को अंग- 4, 8, 23, 27, 38, 48	
	1.1.2.	पद-	
	1.1.2.1.	1, 3, 63, 96, 134, 162, 163, 168, 175, 176, 177, 199, 200, 202, 217, 220, 224, 234, 241, 254 =40	
इकाई	**2.**	**भक्तिकालीन हिंदी कविता**	**व्याख्यान-15**
	2.1.	पद्मावत:- मलिक मुहम्मद जायसी, संपादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल व्याख्या हेतु खण्ड:- 1.सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड 2.नागमती वियोग खण्ड	

Semester –II

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**MAJORC8**
Name of the Paper	**:**	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**
Paper No.	**:**	II
Course Code	**:**	PAR2HN2
Total Lectures	**:**	**30**

Total Credit	**:**	**02**

इकाई	**1.**	**भक्तिकालीन हिंदी कविता**	**-15**
	1.1.	गोस्वामी तुलसीदास:-	
	1.1.1.	रामचरित्र मानस, अयोध्या काण्ड, द्वितीय सोपान, योगेन्द्र प्रताप, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद	
इकाई	**2.**	**भक्तिकालीन हिंदी कविता**	**-15**
	2.1.	संत सूरदास:- सूर सागर 1.अब मैं नाच्यों बहुत गुपाल-------- सूरदास की सबै अविद्या, दूरि करौ नन्दलाल॥1॥ 2. मेरो मन अनंत कहाँ सुख पावै------ सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै॥2॥ 3.जसोदा हरी पालनै झुलावै-------- जो सुख सूर अमर-मनि दुरलभ,सो नन्द भामिनिपावै॥3॥ 4.जसुमति मन अभिलाष करै------- सूरदास-ब्रज-लोग सुनत धुनि, जो जहँ-तहँ तब सब अतिहि डरे॥4॥ 5.सोभित क्र नवनीत तिये--------- धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख, का सत कल्प जिए॥5॥ 6.स्याम सखि नीकै देख नाहिं--------- सूर स्याम-छवि पर मन अटक्यौ, उन सब सोभा लीन्ही॥6॥ 7.जब तैं प्रीति स्याम सौं कीन्हीं---------- ज्यौं अचेत बालक कौ बेदन, आपनै ही तन सहियै॥7॥ 8.स्याम भए राधा बस ऐसें--------- सूरदास बडभागिनि राधा, समुझि मनहिं मुसुकाहीं॥8॥ 9.प्रीति करि दीन्ही गरें छुरी---------- सूरदास प्रभु संग कल्पतरु उबटि न बैठी डार॥9॥ 10.बिनु गुपाल बैरिन भई कुँजे------- सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कों मग-जोवत अँखियाँ भई घुंजे॥10॥ 11.अति मलिन वृषभानु कुमारी-------- सूरदास कैसे करि जीवें, ब्रज बनिता बिन स्याम दुखारी॥11॥ 12.ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं---------- सूरदास प्रभु रहै मौन है, यह कहि कहि पछताहीं॥12॥	

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	20
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	20
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर । और ॥ के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC4,			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो सन्दर्भ सहित व्याख्या में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (संत कबीरदास)	कुल अंक:-	05
प्रश्न 2.	पूछे गये दो सन्दर्भ सहित व्याख्या में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (मलिक मुहम्मद जायसी)	कुल अंक:-	05
प्रश्न 3.	पूछे गये चार दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से दो का उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	10
प्रश्न 4.	अतिलघुत्तरी प्रश्न/बहुविकल्पीय प्रश्न (इकाई एक, दो,)	कुल अंक:-	10
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	05
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	05

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	कबीर:व्यक्तित्व कृतित्व एवं सिद्धांत	:-	डॉ.सरनाम सिंह
2.	जायसी एवं उनका काव्य	:-	डॉ.शिवसाहाय पाठक
3.	जायसी का पद्मावत:काव्य दर्शन	:-	डॉ.गोविन्द त्रिगुनायत
4.	तुलसीदास :आधुनिक वातायन से	:-	डॉ.रमेश मेघ कुंतल
5.	जायसी का काव्य शिल्प	:-	डॉ.दर्शनलाल सेठी
6.	तुलसीदास और उनका युग	:-	डॉ.राजपति दीक्षित
7.	रामचरित मानस में अलंकार योजना	:-	डॉ.वाचंदेव कुमार
8.	मध्यकालीन कवि और कविता	:-	डॉ.रतनकुमार पाण्डेय
9.	कालजयी संत तुलसीदास	:-	डॉ.उमापति दीक्षित
10.	तुलसी काव्य के विविध आयाम	:-	डॉ.उमापति दीक्षित
11.	महाकवि जायसी और उनका काव्य	:-	डॉ.इकबाल अहमद
12.	पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन	:-	डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
13.	पद्मावत का काव्य सौन्दर्य	:-	डॉ.चन्द्रबली पाण्डेय
14.	हिंदी के प्रतिनिधि कवि	:-	डॉ.सुरेश अग्रवाल
15.	मूलपाठ जायसी ग्रन्थावली पद्मावत	:-	संपादक: श्री.राकेश एम्.ए.
16.	कबीर	:-	हजारीप्रसाद द्विवेदी
17.	सूफी तत्वज्ञान स्वरूप एवं चिन्तन	:-	डॉ.मुहम्मद आजम
18.	कबीर विचार धारा	:-	डॉ.गोविन्द त्रिगुनायत
19.	कबीर रहस्यवाद	:-	डॉ.रामकुमार वर्मा
20.	कबीर साहित्य परख		आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
21.	जायसी		डॉ.विजयदेव नारायण साही
22.	कबीर और तुकाराम के काव्य में अभिव्यक्त सांस्कृतिक चेतना का तुलनात्मक अनुशीलन		डॉ.बालकवी सुरंजे
23.	देव और उनकी कविता		डॉ.नगेन्द्र

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र	कुल अंक:-	15

	आचरण		
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर I और II के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC2, MAJORC6 (2, 6,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक का सन्दर्भसहित व्याख्या अपेक्षित (इकाई एक और दो)	कुल अंकः-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक और दो)	कुल अंकः-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक और दो)	कुल अंकः-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये तीन टिप्पणियों में से दो का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक और दो)	कुल अंकः-	12
प्रश्न 5.	अतिलघुत्तरी प्रश्न/बहुविकल्पीय प्रश्न (इकाई एक और दो पर)	कुल अंकः-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंकः-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंकः-	06

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of OPEN ELECTIVE-1 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24
Course Code: **PAR1HN1**

Name of the Paper & Paper No. I अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Semester I

M.A. Hindi Part-I

Paper No. I

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Name of the Programme : M.A.

Name of the Course	: **OPEN ELECTIVE-1**
Course Code	: PAR1HN1
Total Lectures	: 60
Total credit	: 04

Course Objective

1.अस्मिताओं का सैध्दांतिक और व्यवहारिक ज्ञान।
2.प्रमुख रचनाओं के अद्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण।
3.अस्मितामूलक विमर्श और साहित्य से परिचय
5.प्राचीन तथा मध्यकालीन आर्य भाषाओं से अवगत कराना।
6.देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास से अवगत करना।
7.भाषा के महत्व की जानकारी देना।
8.भाषा के रूप, अर्थ, वाकया, उसकी रूप रचना की जानकारी देना।
9.भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्रों को परिचित कराना।
10.भाषा विज्ञान तथा व्याकरण के तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान छात्रों को प्रदान कराना।
11.रूप विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
12.वाक्य विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
13.अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
14.सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यवहारिक समझ विकसित करना।
15.हिंदी सिनेमा के विकास का अध्ययन।
16.कुछ प्रमुख फिल्मों के माद्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-

1.विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना।
2.प्रमुख कृतिओं का परिचय होगा।
3.दलित विमर्श एवं साहित्य के सैध्दांतिक तथा सौन्दर्यात्मक पहलुओं के विविध आयामों की समझ होगी ।
4.स्त्री विमर्श एवं साहित्य के सैध्दांतिक तथा सौन्दर्यात्मक पहलुओं के विविध आयामों की समझ होगी।
5.आदिवासी विमर्श एवं साहित्य के सैध्दांतिक तथा सौन्दर्यात्मक पहलुओं के विविध आयामों की समझ होगी
6.दलित, स्त्री और आदिवासी विबिन्न विधाओं में रचित साहित्य से परिचित होंगे।

7.हिंदी सिनेमा की व्यवहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
8.सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

Teaching Learning Process

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन।
2.इस विषय को समझने हेतु शास्त्रीय पध्दति का उपयोग।
3.वैज्ञानिक चार्ट का उपयोग।
4.मानवीय समाजशास्त्र का उपयोग।

Semester –I

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**OPEN ELECTIVE-1**
Name of the Paper	**:**	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
Paper No.	**:**	I
Course Code	**:**	PAR1HN1
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई	**1.**	**विमर्शों की सैध्दांतिकी**	**-15**
	1.1.	दलित विमर्श:- अवधारणा और आन्दोलन,फुले और आंबेडकर	

	1.2.	स्त्री विमर्श:-अवधारणा और आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय	
	1.3.	आदिवासी विमर्श:-अवधारणा और आन्दोलन, जल, जंगल, जमीन, और पहचान का सवाल	
इकाई	**2.**	**विमर्शमूलक कथा साहित्य**	**-15**
	2.1.	ओमप्रकाश वाल्मीकि-सलाम	
	2.2.	जयप्रकाश कर्दम-मोहरे (तलाश:-कहानी संग्रह से)	
	2.3.	हरिराम मीणा:-धूनी तपे तीर, प्रष्ट संख्या :158-167	
इकाई	**3.**	विमर्शमूलक कविता	**-15**
	3.1.	दलित कविता-हीरा डोम:-अछूत की शिकायत	
	3.2.	स्त्री विमर्श-कीर्ति चौधरी:-समा रेखा	
	3.3.	आदिवासी विमर्श-निर्मला पुतुल:- तुम्हारे एहसान लेने से पहले सोचना पड़ेगा हमें	
इकाई	**4.**	विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ	**-15**
	4.1.	प्रभा खेतान:-अन्या से अनन्या तक (पृष्ठ संख्या:-28-42)	
	4.2.	तुलसीराम:-मुर्दहिया (चौथा भाग मुर्दहिया के गिद्ध तथा लोक जीवन पृष्ठ संख्या -125-135)	
	4.3.	श्यौराज सिंह बेचैन:-मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली:बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)	

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर । और ॥ के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC2, MAJORC6 (2, 6,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये तीन प्रश्नों में से दो का सन्दर्भसहित व्याख्या अपेक्षित (इकाई दो, तीन और चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)	कुल अंक:-	12

प्रश्न 4.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12

Semester –II

Name of the Programme	:	M.A.-I
Name of the Course	:	**OPEN ELECTIVE-2**
Name of the Paper	:	हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
Paper No.	:	II
Course Code	:	PAR2HN2
Total Lectures	:	**60**
Total Credit	:	**04**

इकाई	**1.**	**सिनेमा**	**व्याख्यान-15**
	1.1.	**स्वरूप**	
	1.2	**परिभाषा**	
	1.3.	सिनेमा के प्रकार	
	1.3.1.	व्यावसायिक सिनेमा	
	1.3.2.	समान्तर सिनेमा	

	1.3.3.	क्षेत्रीय सिनेमा	
	1.2.2.	सिनेमा का प्रभाव	
इकाई	**2.**	सिनेमा का विकास	**व्याख्यान-15**
	2.1.	आजादी के पहले का सिनेमा	
	2.2.	आजादी के बाद का सिनेमा	
	2.3.	भूमंडलीकरण के दौर का सिनेमा	
	2.4.	इक्कसवीं सदी का सिनेमा	
	2.5.	हिंदी सिनेमा का स्वर्ण काल: साठ का दशक	
इकाई	**3.**	एक उद्योग के रूप में भारतीय सिनेमा	**व्याख्यान-15**
	3.1.	भारतीय सिनेमा में राजनीतिक परिप्रेक्ष्य	
	3.2.	भारतीय सिनेमा में नायक की छवि	
	3.3.	भारतीय सिनेमा में नारी की छवि	
	3.4.	भारतीय सिनेमा का संगीत पक्ष	
इकाई	**4.**	नई तकनीकी और सिनेमा:-संभावनाएँ और चुनौतियाँ	**व्याख्यान-15**
	4.1.	सन्दर्भ-मुगले आजम, मदर इंडिया, दीवार,पीके	

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ	:–	पारिख जवरीमल्ल
2.	हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	:–	डॉ.अनिरुद्ध कुमार सुधांशु
3.	हिंदी सिनेमा का इतिहास	:–	मनमोहन चड्ढा
4.	हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष	:–	प्रकाशन विभाग
5.	फिल्म निर्देशन	:–	कुलदीप सिन्हा
6.	नया सिनेमा	:–	ब्रजेश्वर मदान
7.	लेखक का सिनेमा	:–	कुँवर नारायण
8.	हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	:-	डॉ.रमा
9.	हिंदी सिनेमा का इतिहास	:–	चड्ढा मनमोहन
10.	जनमाध्यमों का सामाजिक चरित्र	:–	पारिख जवरीमल्ल
11.	सिनेमा अध्ययन की सैद्धांतिकी और समानांतर सिनेमा	:-	प्रमोद कुमार बर्णवाल
12.	भूमंडलीकरण और हिंदी सिनेमा	:–	डॉ.एम्.वैकटेश्वर

13.	सिनेमा के सौ बरस	:–	सं मृत्युंजय
14.	बाज़ार के बाजीगर	:–	प्रह्लाद अग्रवाल
15.	समय और सिनेमा	:–	विनोद भारद्वाज
16.	सिनेमा और संस्कृति	:–	राही मासूम रज़ा
17.	भारतीय सिनेमा, एक अनंत यात्रा	:–	प्रसून सिन्हा
18.	सत्यजित रे वसुधा :	:–	प्रह्लाद अग्रवाल

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर । और ॥ के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC2, MAJORC6 (2, 6,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)		
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक का सन्दर्भसहित व्याख्या अपेक्षित (इकाई एक, दो, तीन, चार)	कुल अंक:-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	06

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of OPEN ELECTIVE-1 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)

New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24
Course Code: **PAR1HN1**
Name of the Paper & Paper No. I
हाशिए का समाज, अस्मिता विमर्श और हिंदी मीडिया

Semester I
M.A. Hindi Part-I
Paper No. I
हाशिए का समाज, अस्मिता विमर्श और हिंदी मीडिया

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: **OPEN ELECTIVE-1**
Course Code	: PAR1HN1
Total Lectures	: 60
Total credit	: 04

Course Objective

1.छात्रों को समाज के हाशिए पर धकेल दिये गये वंचित, शोषित समाज की स्थितियों से परिचय कराना।
2.छात्रों को हाशिए के समाज के प्रति संवेदनशील बनाना।
3.मीडिया के छात्रों को समाज के इस वर्ग की जानकारी देकर उनके ज्ञान में वृद्धी करना।
4.छात्रों को सोशल मीडिया के मूलतत्वों से अवगत कराना।

5.सोशल मीडिया की नेटवर्किंग तकनीक से छात्रों को अवगत कराना।
6.विद्यार्थियों को सोशल मीडिया की संरचना से परिचित कराना।
7.छात्रों को सोशल मीडिया की कार्यप्रणाली से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-
1.छात्र संबंधित जानकारी से परिपूर्ण और हाशिए के समाज की समस्याओं से अवगत होंगे।
2.छात्र हाशिए के समाज की मीडिया में छवि बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं।
3.सोशल मीडिया का उद्भव और विकास
4.सोशल मीडिया का इतिहास
5.सोशल मीडिया, भाषा, समाज और संस्कृति
6.सोशल मीडिया की आचार संहिता
7.सोशल मीडिया का प्रभाव

Teaching Learning Process

1.1 से 3 सप्ताह – इकाई -1
2.4 से 6 सप्ताह – इकाई -2
3.7 से 9 सप्ताह – इकाई -3
4.10 से 12 सप्ताह – इकाई -4
5.13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Semester –I

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**OPEN ELECTIVE-1**
Name of the Paper	**:**	हाशिए का समाज,अस्मिता विमर्श और हिंदी मीडिया
Paper No.	**:**	I
Course Code	**:**	PAR1HN1
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई	**1.**	**हाशिए के समाज की पहचान के सवाल**	**-15**
	1.1.	भारतीय समाज में जातिव्यवस्था और वर्ग विभाजन	
	1.2.	भारतीय समाज में जातिव्यवस्था की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	
	1.3.	सामाजिक न्याय की अवधारणा में आरक्षण की स्थिति और पहचान के सवाल	
	1.4.	संवैधानिक प्रावधान और हाशिए का समाज	
इकाई	**2.**	**जेंडर समानता और अस्मिता विमर्श**	**-15**
	2.1.	स्त्रीवादी आन्दोलन और भारतीय समाज	

	2.2.	भारतीय समाज में स्त्री, साहित्य में स्त्री, राजनीति में स्त्री और स्त्री की संवैधानिक स्थिति	
	2.3.	थर्ड जेंडर पर बहस, जेंडर संबंधी वर्तमान कानून और पहचान के सवाल	
	2.4.	जेंडर समानता के सवाल और माध्यमों की प्रस्तुतियाँ	
इकाई	**3.**	दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यांक समाज की समाज की पहचान के सवाल	**-15**
	3.1.	आदिवासी समाज की संवैधानिक स्थिति और समस्याएँ	
	3.2.	दलित वर्ग की समस्याएँ और पहचान के सवाल	
	3.3.	धार्मिक अल्पसंख्यांक समाज, मुद्दे और चुनौतियाँ	
इकाई	**4.**	हाशिए का समाज और माध्यम व्यवहार	**-15**
	4.1.	हासिए के समाज संबंधी विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और हिंदी मीडिया	
	4.2.	जन माध्यमों का बाजार और हासिए का समाज	
	4.3.	मीडिया संस्कृति, खबरें और अस्मिता विमर्श	
	4.4.	सामाजिक, धार्मिक आन्दोलन और मीडिया की कवरेज	
		Practical	
	1.	किसी एक समाचार पत्र या पत्रिका में प्रकाशित एक माह की हाशिए के समाज संबंधी खबरों के आधार पर रिपोर्ट तैयार कराना	
	2.	किसी एक हिंदी समाचार चैनल में एक महा में प्रसारित हाशिए के समाज संबंधी खबरों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना।	
	3.	हाशिए के समाज संबंधी किसी एक फीचर फिल्म, डाक्यूमेंट्री या धारावाहिक की समीक्षा	
	4.	किसी एक सामाजिक आन्दोलन पर एक रिपोर्ट तैयार करना	

Semester –II

Name of the Programme	**:**	M.A.-I
Name of the Course	**:**	**OPEN ELECTIVE-1**
Name of the Paper	**:**	सोशल मीडिया
Paper No.	**:**	II
Course Code	**:**	PAR2HN2
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई	**1.**	**सोशल मीडिया**	**व्याख्यान-15**
	1.1.	सोशल मीडिया एक अवधारणा	
	1.2.	सोशल मीडिया की परिभाषा और सिद्धांत	
	1.3.	सोशल मीडिया –संचार की एक नवीन क्रान्ति	
	1.4.	सोशल मीडिया –वैयक्तिक और अंतर्वैयक्तिक संचार	
	1.5.	सोशल मीडिया सामाजिक पक्ष	
इकाई	**2.**		**व्याख्यान-15**
	2.1.	सोशल मीडिया –स्वतंत्र समाचार का एक नया माध्यम	
	2.2.	समाचार माध्यमों के विभिन्न रूप	
	2.3.	सोशल मीडिया-समूह निर्माण का प्लेटफार्म, मायक्रो ब्लॉगिंग, ट्रोलिंग, लत	
	2.4.	सोशल मीडिया- राष्ट्रीय एकता से लेकर सामाजिक वैमनस्यता तक	
इकाई	**3.**	सोशल मीडिया और लोकतंत्र	**व्याख्यान-15**
	3.1.	जनभागीदारी, जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया	
	3.2.	जनांदोलन और सोशल मीडिया	
	3.3.	सोशल मीडिया, लोकतंत्र और चुनाव	

	3.4.	सोशल मीडिया और फेक न्यूज	
इकाई	**4.**	सोशल मीडिया: विविध पक्ष	**व्याख्यान-15**
	4.1.	सोशल मीडिया और वंचत समाज	
	4.2.	सोशल मीडिया और थर्ड जेंडर	
	4.3.	सोशल मीडिया और स्त्री	
	4.4.	सोशल मीडिया और बच्चे	

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	सोशल मीडिया एंड इंडियन यूथ	:–	डॉ.संजय सिंह बघेल
2.	सोशल मीडिया एंड सोसल मूवमेंट – द ट्रांसफारमेशन आँफ कम्युनिकेशन पैटर्न	:–	कोबैन और बारिश
3.	एडवर्टाइजिंग या सोशल मीडिया स्टेट्स इन मिडल ईस्ट	:–	डॉ.संजय सिंह बघेल
	भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास प्रथम चार खंड		मोहनदास नैमिशराय
	दलित राजनीति की समस्याएँ,		संपादक राजकिशोर
	आधुनिकता के आयने में दलित		संपादक अभयकुमार दुबे
	ऊतर सदी के हिंदी कथा साहित्य में दलित विमर्श		डॉ.श्यौराज सिंह बेचैन
	समाज साहित्य के प्रश्न और दलित चेतना		डॉ.श्यौराज सिंह बेचैन
	सामाजिक न्याय और दलित साहित्य		डॉ.श्यौराज सिंह बेचैन
	आदिवासी स्वर और नई शताब्दी		संपादक रमणिका गुप्ता
	पूर्वोत्तर आदिवासी : सृजन, मिथक और लोककथाएँ		संपादक रमणिका गुप्ता
	साँझा सांस्कृतिक :भारतीय फासीवाद का स्त्री प्रत्युत्तर		सुधा सिंह
	स्त्रीत्व का मानचित्र		अनामिका
	खुली खिड़कियाँ		मैत्री पुष्पा
	दलित दुनिया		कालीचरण स्नेही
	समकालीन साहित्य में दलित समस्या और समाधान		डॉ.श्यौराज सिंह बेचैन
	मेरा बचपन मेरे कन्धो पर		डॉ.श्यौराज सिंह बेचैन
	दलित शिखरों के साक्षात्कार		डॉ.यशवंत विरोदय
	भारतीय साहित्य में दलित स्त्री		डॉ.रजत रानी मीनू
	हिओंदी दलित कविता		डॉ.रजत रानी मीनू
	समकालीन दलित महिला लेखन,		रजनी तिलक, सुशीला टाकभौरे

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंक:-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंक:-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंक:-	15
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर I और II के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC2, MAJORC6 (2, 6,)			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)		
प्रश्न 3.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई तीन)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 4.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	पूछे गये दो प्रश्नों में से एक का सन्दर्भसहित व्याख्या अपेक्षित (इकाई एक, दो, तीन, चार)	कुल अंक:-	12
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	06
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	06

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Program M.A. Part-I

Semester- I

Syllabus of Minor-3 for M.A.
Choice Based Credit & Grading System (60:40)
New Course Introduced under National Education Policy, 2020
w.e.f. Academic Year 2023-24

Course Code: **PAR1HN1**

Name of the Paper & Paper No. I शोध प्रविधि प्रक्रिया

Semester I
M.A. Hindi Part-I
Paper No. I
शोध प्रविधि प्रक्रिया

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: **Minor-3**
Course Code	: PAR1HN1
Total Lectures	: 60
Total credit	: 04

Course Objective

1.शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को शोध प्रविधि का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।
2.शोध प्रविधि से संबंधित अति महत्वपूर्ण बातों की जानकारी करना॥
3.किसी विषय में शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को उस विषय में संभावित शोध के क्षेत्रों का ज्ञान होना भुत आवश्यक है।
5.शोधार्थी को हिंदी में शोध के विभिन्न आयामों और उनमें कार्य करने की व्यापक संभावना से अवगत कराना है।

Course Learning Outcomes

सिखने-सिखाने की इस प्रकिर्या में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे :-

1.शोधार्थी शोध, उसके प्रमुख आयामों और महत्व को जान सकेंगे।
2.शोध कार्य की सही पध्दति से अवगत हो सकेंगे।
3.इस प्रश्नपत्र के अध्ययन द्वारा उनमें अपेक्षित शोध-कौशल का विकास होगा और उसका शोध गुणवत्तापूर्ण होगा॥
4.शोधार्थी हिंदी में शोध के प्रमुख आयामों, प्रविधियों और महत्व को जान सकेंगे।
5.शोध कार्य की सही पध्दति से अवगत होंगे।
6.इस प्रश्नपत्र के अध्ययन द्वारा उन्हें जहाँ एक ओर अपने विषय चयन में सहायता मिलेगी, वहीं उनके शोध कार्य में गुणात्मक सुधार होगा॥

Teaching Learning Process

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन।
2.इस विषय को समझने हेतु शास्त्रीय पध्दति का उपयोग॥
3.वैज्ञानिक चार्ट का उपयोग॥
4.मानवीय समाजशास्त्र का उपयोग॥

Semester –I

Name of the Programme	**:**	M.A.-I

Name of the Course	**:**	**Minor-3**
Name of the Paper	**:**	शोध प्रविधि प्रक्रिया
Paper No.	**:**	I
Course Code	**:**	PAR1HN1
Total Lectures	**:**	**60**
Total Credit	**:**	**04**

इकाई	**1.**	**अनुसन्धान का परिचय**	**-15**
	1.1.	अनुसन्धान की परिभाषा, स्वरूप और महत्व	
	1.2.	अनुसन्धान के मूल तत्व	
	1.3.	अनुसन्धान के गुण	
इकाई	**2.**	**अनुसन्धान के प्रकार**	**-15**
	2.1.	वर्णनात्मक ऐतिहासिक	
	2.2.	तुलनात्मक	
	2.3.	गुणात्मक	
	2.4.	परिमाणात्मक	
इकाई	**3.**	अनुसन्धान प्रविधि एवं प्रक्रिया	**-15**
	3.1.	अनुसन्धान प्रविधि	
	3.1.1.	ऐतिहासिक	
	3.1.2.	साहित्यशास्त्रीय	
	3.1.3.	मनोवैज्ञानिक	
	3.1.4.	समाजशास्त्रीय	
	3.1.5.	भाषाशास्त्रीय प्रविधियाँ	
	3.2.	**अनुसन्धान की प्रक्रिया**	
	3.2.1.	विषय-चयन	
	3.2.2.	अनुसन्धान की समस्या	
	3.2.3.	पूर्ववर्ती संबंधित शोधकार्य का पुनरीक्षण	
	3.2.4.	अनुसन्धान की रूपरेखा	
	3.2.5.	स्त्रोत एवं सामग्री-संकलन	
	3.2.5.1.	पुस्तक	
	3.2.5.2.	पत्र-पत्रिकाएँ	
	3.2.5.3.	डिजिटल सामग्री	

	3.2.6.	कम्प्यूटर का भाषिक अनुप्रयोग	
	3.2.7.	प्रश्नावली निर्माण	
	3.2.8.	साक्षात्कार	
	3.2.9.	सामग्री का विवेचन-विश्लेषण	
इकाई	**4.**	शोध-प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण	**-15**
	4.1.	शोध प्रबंध की रूपरेखा	
	4.2.	शीर्ष पृष्ठ	
	4.3.	प्रस्तावना	
	4.4.	अध्याय विभाजन (शीर्षक-उपशीर्षक)	
	4.5.	(अध्यायों के अंतर्गत भूमिका, विषय-विवेचन, विश्लेषण तथा उपसंहार अपेक्षित है)	
	4.6.	पाद टिप्पणी	
	4.7.	परिशिष्ट	
	4.8.	सन्दर्भ सूची (आधार ग्रन्थ, पत्र-पत्रिकाएँ, शब्दकोश, वेबसाईट	

REVISED SCHEME OF EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंक:-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंक:-	40
1.	प्रकल्प	कुल अंक:-	40
एम्.ए.प्रथम वर्ष सेमिस्टर । और ॥ के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप			
पेपर क्रमांक :- MAJORC3			
प्रश्न 1.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 2.	पूछे गये दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित (इकाई दो)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 3.	पूछे गये तीन दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से दो का उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	12

	(इकाई तीन)		
प्रश्न 4.	पूछे गये तीन दिर्घोत्तरी प्रश्नों में से दो का उत्तर अपेक्षित (इकाई चार)	कुल अंक:-	12
प्रश्न 5.	पूछे गये चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर अपेक्षित (इकाई एक, दो, तीन और चार)	कुल अंक:-	12

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	शोध प्रविधि	:–	विनय मोहन शर्मा
2.	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	:–	चंद्रयान रावत
3.	हिंदी अनुसन्धान	:–	विजय पाल सिंह
4.	साहित्यिक शोध के आयाम	:–	शशिभूषन सिंघल
5.	शोध और सिंध्दांत	:–	नगेन्द्र
6.	हिंदी अनुसन्धानः स्वरूप और विकास	:–	म.ह.राजुरकर
7.	साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम	:–	रविन्द्र कुमार जैन
8.	अनुसन्धान प्रविधि सिंध्दांत और प्रक्रिया	:–	डॉ.एस.एन.गणेशन

9.	हिंदी शोध तन्त्र की रूपरेखा	:–	डॉ.मनमोहन सहगल
10.	रिसर्च मैथ्योलाजी	:–	डॉ.आर.एन त्रिवेदी एवं डॉ.डी.पी. शुक्ला
11.	शोध कार्य प्रणाली	:–	डॉ.रमेंदु राय

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

Autonomous

Scheme of Evaluation for Continuous Assessments and Semester End Examinations for Post-graduate Programmes under Faculty of Arts

Under Autonomous status with Credit Based Semester and Grading System

(To be implemented from Academic Year 2023-2024)

University of Mumbai

II ivaVa ivanayaona SaaoBato II

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel Autonomous

Department of Hindi

Bachelor of Arts (M.A.-II) *Revised Syllabus for Academic Yeas-2023-2024*

Board Studies in Hindi

Sr. No.	Name	Designation	Position
1	Prof. (Dr.) S.K. Patil	Principal	Member (Faculty)
2	Dr. U.T. Bhandare	Head, Department of Hindi	Chairman
3	Dr. (Mrs.) G.S. Tanwar	Assistant Professor	Member (Faculty)
4	Dr. Bisen Jogendrasingh Motisingh	Professor	Member (Faculty)
5	Dr. Hubnath Pandey	Professor	Member (Faculty)
6	Dr.Balkavi Suranje	Professor	Member (Faculty)
7	Dr. Sunita M. Sakhare	Associate Professor	Member (Faculty)
8	Dr. Gharat Arjun Janu	Associate Professor	Member (Faculty)
9	Mr. V. N. Ekambe	Rotary President,	Member (Faculty)
10	(Mrs.). Kavita Shaema	Ex-P.G.Students	Member (Faculty)

II विद्या विनयेन शोभते II

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

Autonomous

Affiliated to University of Mumbai

DEPARTMENT OF HINDI

Master of Arts (M.A. Part -II) Revised Syllabus For

M.A. Hindi Part-II

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
(60:40)
With effect from the Academic Year 2023-24

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Re-accredited 'A+' Grade by NAAC
'College with Potential for Excellence' Status Awarded by UGC
'Best College Award' by University of Mumbai

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS) (60:40)
With effect from the Academic Year 2023-2024

Faculty of Humanities

Semester III & Semester IV

Guidelines

Syllabus Structure:

1. In M.A. Hindi Part-II (CBCGS) in Semester III and Semester IV the Core Courses will be Core Courses 9 to 16

Scheme of Examination
Faculty of Arts
(Post-graduate Programmes)

Credit Based Evaluation System

❖ **Scheme of Examination**

The performance of the learners shall be evaluated into two parts. The learner's performance shall be assessed by Internal Assessment with 40% marks in the first part and by conducting the Semester End Examinations with 60% marks in the second part. The allocation of marks for the Internal Assessment and Semester End Examinations are as shown below-

A) Internal Assessment: 40 % 40 Marks

Sr. No.	Particular		Marks
01	One periodical class test / online examination to be conducted in the given semester		20 Marks
02	One case study / project with presentation based on curriculum to be assessed by the teacher concerned		15 Marks
	Presentation	10 Marks	
	Written Document	05 Marks	
03	Active participation in routine class instructional deliveries and overall conduct as a responsible learner, mannerism and articulation and exhibit of leadership qualities in organizing related academic activities		05 Marks

Question Paper Pattern

(Periodical Class Test for the Courses at Under Graduate Programmes)

Maximum Marks: 20 Duration: 40 Minutes
Questions to be set: 02
All Questions are Compulsory

Question No.	Particular	Marks
Q-1	Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks / 2 Marks each)	10 Marks
Q-2	Answer in Brief (Attempt any Two of the Three) (5 Marks each)	10 Marks

B) Semester End Examination: 60 % 60 Marks

- Duration: The examination shall be of 2 hours duration.

Question Paper Pattern

Theory question paper pattern
1. There shall be four questions each of 15 marks. 2. All questions shall be compulsory with internal options. 3. Question may be subdivided into sub-questions a, b, c… and the allocation of marks depends on the weightage of the unit.

❖ **Passing Standard**

The learners shall have to obtain a minimum of 40% marks in aggregate for each course where the course consists of Internal Assessment and Semester End Examination. The learners shall obtain minimum of 40% marks (i.e. 16 out of 40) in the Internal Assessment and 40% marks in Semester End Examination (i.e. 24 Out of 60) separately, to pass the course and minimum of grade D in each project wherever applicable to pass a particular semester.

Note: All other rules regarding Standard of Passing, ATKT, etc, will be as per those decided by the Faculty of Humanities passed by the Academic Council from time to time

❖ Guidelines and Evaluation pattern for project work (100 Marks)

Introduction

Inclusion of project work in the course curriculum of the M.A. programme is one of the ambitious aspect in the programme structure. The main objective of inclusion of project work is to inculcate the element of research work challenging the potential of learner as regards to his/ her eager to enquire and ability to interpret particular aspect of the study in his/ her own words. It is expected that the guiding teacher should undertake the counselling sessions and make the awareness among the learners about the methodology of formulation, preparation and evaluation pattern of the project work.

- There are two modes of preparation of project work
    1. Project work based on research methodology in the study area
    2. Project work based on internship in the study area

Guidelines for preparation of Project Work

Work Load

Work load for Project Work is 01 (one) hour per batch of 15-20 learners per week for the teacher. The learner (of that batch) shall do field work and library work in the remaining 03 (three) hours per week.

1. General guidelines for preparation of project work based on research methodology

- The project topic may be undertaken in any area of Elective Courses.
- Each of the learner has to undertake a Project individually under the supervision of a teacher-guide.
- The learner shall decide the topic and title which should be specific, clear and with definite scope in consultation with the teacher-guide concerned.
- University/college shall allot a guiding teacher for guidance to the students based on her / his specialization.
- The project report shall be prepared as per the broad guidelines given below:
  - Font type: Times New Roman
  - Font size: 12-For content, 14-for Title
  - Line Space : 1.5-for content and 1-for in table work
  - Paper Size: A4
  - Margin : in Left-1.5, Up-Down-Right-1
  - The Project Report shall be bounded.
  - The project report should be 80 to 100 pages

Format

1st page (Main Page)

Title of the problem of the Project

A Project Submitted to

University of Mumbai for partial completion of the degree of

Master in Arts

Under the Faculty of Arts

By

Name of the Learner

Under the Guidance of

Name of the Guiding Teacher

Name and address of the College

Month and Year

2nd Page
This page to be repeated on 2nd page (i.e. inside after main page)

On separate page

Index

Chapter No. 1 (sub point 1.1, 1.1.1, ... And so on)	Title of the Chapter	Page No.
Chapter No. 2	Title of the Chapter	
Chapter No. 3	Title of the Chapter	
Chapter No. 4	Title of the Chapter	
Chapter No. 5	Title of the Chapter	

List of tables, if any, with page numbers.

List of Graphs, if any, with page numbers.

List of Appendix, if any, with page numbers.

Abbreviations used:

Structure to be followed to maintain the uniformity in formulation and presentation of Project Work

(Model Structure of the Project Work)

- **Chapter No. 1: Introduction**

  In this chapter Selection and relevance of the problem, historical background of the problem, brief profile of the study area, definition/s of related aspects, characteristics, different concepts pertaining to the problem etc can be incorporated by the learner.

- **Chapter No. 2: Research Methodology**

  This chapter will include Objectives, Hypothesis, Scope of the study, limitations of the study, significance of the study, Selection of the problem, Sample size, Data collection, Tabulation of data, Techniques and tools to be used, etc can be incorporated by the learner.

- **Chapter No. 3: Literature Review**

  This chapter will provide information about studies done on the respective issue. This would specify how the study undertaken is relevant and contribute for value addition in information/ knowledge/ application of study area which ultimately helps the learner to undertake further study on same issue.

- **Chapter No. 4: Data Analysis, Interpretation and Presentation**

  This chapter is the core part of the study. The analysis pertaining to collected data will be done by the learner. The application of selected tools or techniques will be used to arrive at findings. In this, table of information's, presentation of graphs etc. can be provided with interpretation by the learner.

- **Chapter No. 5: Conclusions and Suggestions**

  In this chapter of project work, findings of work will be covered and suggestion will be enlisted to validate the objectives and hypotheses.

Note: If required more chapters of data analysis can be added.

- **Bibliography**
- **Appendix**

On separate page

Name and address of the college

Certificate

This is to certify that Ms/Mr has worked and duly completed her/his Project Work for the degree of Master in Arts under the Faculty of Arts in the subject of _____ and her/his project is entitled, "_____
Title of the Project
_____" under my supervision.

I further certify that the entire work has been done by the learner under my guidance and that no part of it has been submitted previously for any Degree or Diploma of any University.

It is her/ his own work and facts reported by her/his personal findings and investigations.

Seal of the College

Name and Signature of

Guiding Teacher

Date of submission:

On separate page

Declaration by learner

I the undersigned Miss / Mr. डॉ .भंडारे उद्धव तुकाराम here by, declare that the work embodied in this project work titled "सोशल मीडिया का भारतीय महिलाओं पर पड़ता प्रभाव", forms my own contribution to the research work carried out under the guidance of डॉ .भंडारे उद्धव तुकाराम is a result of my own research work and has not been previously submitted to any other University for any other Degree/ Diploma to this or any other University.

Wherever reference has been made to previous works of others, it has been clearly indicated as such and included in the bibliography.

I, here by further declare that all information of this document has been obtained and presented in accordance with academic rules and ethical conduct.

Name and Signature of the learner

डॉ .भंडारे उद्धव तुकाराम

Certified by

Name and signature of the Guiding Teacher

डॉ .भंडारे उद्धव तुकाराम

On separate page

Acknowledgment

(Model structure of the acknowledgement)

To list who all have helped me is difficult because they are so numerous and the depth is so enormous.

I would like to acknowledge the following as being idealistic channels and fresh dimensions in the completion of this project.

I take this opportunity to thank the **University of Mumbai** for giving me chance to do this project.

I would like to thank my **Principal, _____**for providing the necessary facilities required for completion of this project.

I take this opportunity to thank our **Head_____**, for her moral support and guidance.

I would also like to express my sincere gratitude towards my project guide _____ whose guidance and care made the project successful.

I would like to thank my **College Library**, for having provided various reference books and magazines related to my project.

Lastly, I would like to thank each and every person who directly or indirectly helped me in the completion of the project especially **my Parents and Peers** who supported me throughout my project.

2. Guidelines for Internship based project work

- Minimum 20 days/ 100 hours of Internship with an Organisation/ NGO/ Charitable Organisation/ Private firm.
- The theme of the internship should be based on any study area of the elective courses
- Project Report should be of minimum 50 pages
- Experience Certificate is Mandatory
- A project report has to be brief in content and must include the following aspects:
  - **Executive Summary:**

    A bird's eye view of your entire presentation has to be precisely offered under this category.
  - **Introduction on the Company:**

    A Concise representation of company/ organization defining its scope, products/ services and its SWOT analysis.
  - **Statement and Objectives:**

    The mission and vision of the organization need to be stated enshrining its broad strategies.
  - **Your Role in the Organisation during the internship:**

    The key aspects handled, the department under which you were deployed and brief summary report duly acknowledged by the reporting head.
  - **Challenges:**

    The challenges confronted while churning out theoretical knowledge into practical world.
  - **Conclusion:**

    A brief overview of your experience and suggestions to bridge the gap between theory and practice.
- The project report based on internship shall be prepared as per the broad guidelines given below:
  - Font type: Times New Roman
  - Font size: 12-For content, 14-for Title
  - Line Space : 1.5-for content and 1-for in table work
  - Paper Size: A4
  - Margin : in Left-1.5, Up-Down-Right-1
  - The Project Report shall be bounded.

Evaluation pattern of the project work

The Project Report shall be evaluated in two stages viz.	
• **Evaluation of Project Report (Bound Copy)**	**60 Marks**
▪ Introduction and other areas covered	20 Marks
▪ Research Methodology, Presentation, Analysis and interpretation of data	30 Marks
▪ Conclusion & Recommendations	10 Marks
• **Conduct of Viva-voce**	**40 Marks**
▪ In the course of Viva-voce, the questions may be asked such as importance / relevance of the study, objective of the study, methodology of the study/ mode of Enquiry (question responses)	10 Marks
▪ Ability to explain the analysis, findings, concluding observations, recommendation, limitations of the Study	20 Marks
▪ Overall Impression (including Communication Skill)	10 Marks

Note:

- ***The guiding teacher along with the external evaluator appointed by the University/ College for the evaluation of project shall conduct the viva-voce examination as per the evaluation pattern***
- ***The plagiarism should be maintained as per the UGC guidelines.***

Passing Standard

- Minimum of Grade D in the project component.
- In case of failing in the project work, the same project can be revised for ATKT examination.
- Absence of student for viva voce: If any student fails to appear for the viva voce on the date and time fixed by the department such student shall appear for the viva voce on the date and time fixed by the Department, such student shall appear for the viva voce only along with students of the next batch.

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

Autonomous

CONTENT

Programme- Master of Arts (M.A.-II)

Sr.No.	Class	Course Name of the Paper	Paper No.	Paper Code	Credits
1.	M.A.II	आधुनिक काव्य Modern Poetry	9	PAR3HN9	06
2.	M.A.II	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन Poetics and Literary Criticism	11	PAR3HN11	06
3.	M.A.II	विशेष अध्ययन:मराठी अनुदित हिंदी साहित्य Special Study: Marathi Translated Hindi Literature	13	PAR3HN13	06
4.	M.A.II	प्रयोजनमूलक हिंदी Functional Hindi	15	PAR3HN15	06
5.	M.A.II	आधुनिक काव्य Modern Poetry	10	PAR4HN10	06
6.	M.A.II	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन Poetics and Literary Criticism	12	PAR4HN12	06
7.	M.A.II	जनसंचार माध्यम Mass Media	14	PAR4HN14	06
8.	M.A.II	प्रकल्प लेखन Project Writing	16	PAR4HN16	06

Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

***Question Paper Pattern* (60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
Course: Hindi

Course Code: PAR3HN9

Paper No. 9

आधुनिक काव्य

Semester III
M.A. Hindi Part-II

Paper No. 9
आधुनिक काव्य

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: Hindi
Course Code	: PAR3HN9
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1.विशिष्ठ कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना I
2.विशिष्ठ कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी I
3.विद्यार्थियों को आधुनिक कवियों से परिचित कराना I
4.प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी I

Course Learning Outcomes

1.कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे I
2.साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी I
3.कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी I

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –III
M.A.HINDI PART-II
Paper No-9
Course Code: PAR3HN9

आधुनिक काव्य

List of Text Books

1. **कामायनी** :- **जयशंकर प्रसाद, प्रकाशक-प्रकाशन संस्थान, 4268-B/3,अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली-110002**
2. **रागविराग :-** **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' संपादक डॉ.रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहबाद-1**
3. **चाँद का मुहँ टेडा है:-** **गजानन माधव मुक्तिबोध राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.1बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली 110002**

इकाई 1. कामायनी- जयशंकर प्रसाद व्याख्यान-15

1. चिंता सर्ग
2. श्रद्धा सर्ग

इकाई 2. कामायनी- जयशंकर प्रसाद व्याख्यान-05

1. इड़ा सर्ग

इकाई 3. राग विराग- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' व्याख्यान-20

1. सरोज-स्मृति
2. राम की शक्ति पूजा
3. जागो फिर एक बार–भाग 2

इकाई 4. चाँद का मुहँ टेडा है- गजानन माधव मुक्तिबोध व्याख्यान-20

1. भूल गलती
2. अँधेरे में
3. ब्रम्हराक्षस

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

Question Paper Pattern **(60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- IV

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
Course: Hindi

Course Code: PAR4HN10

Paper No. 10

आधुनिक काव्य

Semester IV

M.A. Hindi Part-II

Paper No.10

आधुनिक काव्य

Name of the Programme : M.A.

Name of the Course	: Hindi
Course Code	: PAR4HN10
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1.विशिष्ठ कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना I
2. विशिष्ठ कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी I
3.विद्यार्थियों को आधुनिक कवियों से परिचित कराना I
4.प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी I

Course Learning Outcomes

1.कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे I
2.साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी I
3. कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी I

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –IV
M.A.HINDI PART-II
Paper No-10
Course Code: PAR4HN10
आधुनिक काव्य
List of Text Books

1. आँगन के पार द्वार :- सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'-भारती ज्ञानपीठ,18,

2. संसद से सडक तक :- सुदामा पाण्डेय ‘धूमिल’, राजकमल प्रकाशन, प्रा. लि.1बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली 110002
3. नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द:- निर्मला पुतुल

इकाई 1/2. आँगन के पार द्वार-सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ‘अजेय’ **व्याख्यान -20**

1. भीतर जागा दाता
2. एक उदास साँझ
3. अंत:सलिला
4. असाध्य वीणा

इकाई 3. संसद से सडक तक–सुदामा पाण्डेय ‘धूमिल’ **व्याख्यान -20**

1. बीस साल बाद
2. जनतंत्र के सूर्योदय में
3. मुनासिब कार्यवाही
4. मोचीराम
5. प्रौढ़ शिक्षा

इकाई **4.** नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द-निर्मला पुतुल **व्याख्यान -20**

1. अपनी जमीन तलाशती बेचैन स्त्री
2. आदिवासी लडकियों के बारे में
3. बूढी पृथ्वी का दुःख
4. पहाड़ी स्त्री
5. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No.	Name of the Book		Name of the Author
1.	कामायनी का पुनर्मुल्यांकन	:-	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
2.	कामायनी एक पुनर्विचार	:-	मुक्तिबोध
3.	कामायनी पढ़ते हुए	:-	अशोक प्रियदर्शनी
4.	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	:-	` डॉ. नगेन्द्र
5.	कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन	:-	डॉ.इन्द्रनाथ मदान
6.	आधुनिक कविता का पुर्नपाठ	:-	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
7.	प्रसाद निराला अज्ञेय	:-	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
8.	मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि	:-	डॉ.सुरेश रितपूर्ण
9.	निराला और मुक्तिबोध:चार लंबी कविताएँ	:-	नन्दकिशोर नवल
10.	मुक्तिबोध:ज्ञान और संवेदना	:-	नन्दकिशोर नवल
11.	मुक्तिबोध की कविताएँ	:-	डॉ.अशोक चक्रधर
12.	नई कविता:निराला अज्ञेय और मुक्तिबोध	:-	विद्या सिन्हा

13. निराला के काव्य का राजनीतिक सन्दर्भ :- डॉ.संध्या सिंह
14. समकालीन हिंदी कविता:अज्ञेय और मुक्तिबोध के सन्दर्भ में :- शशी शर्मा
15. निराला कृति से साक्षात्कार :- नन्दकिशोर नवल
16. निराला :- रामविलास शर्मा
17. मुक्तिबोध : कविता व् जीवन विवेक :- चन्द्रकांत देवताले
18. प्रसाद का काव्य :- प्रेमशंकर
19. कामायनी की आलोचना प्रक्रिया :- डॉ.गिरिजा राय
20. हिंदी काव्य का इतिहास :- डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
21. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास :- हेतु भारद्वाज
22. आधुनिक कविता और युग सन्दर्भ :- शिवकुमार मिश्र
23. निराला :एक पुनर्मुल्यांकन :- सं.ए.अरविंदाक्षन

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

***Question Paper Pattern* (60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)

Course: Hindi

Course Code: PAR3HN11

Paper No. 11

काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

Semester III

M.A. Hindi Part-II

Paper No. 11

काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: Hindi
Course Code	: PAR3HN11
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना I
2. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान करनाI
3.विद्यार्थियों को साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत करानाI
4. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना I
5.साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों में समीक्षात्मक द्रष्टि विकसित करनाI
6. विद्यार्थियों को साहित्यशात्र चिन्तन से परिचित करानाI

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थियों रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत और रीती सिद्धांत जैसे भारतीय काव्यशास्त्र के काव्यांगों का ज्ञान प्राप्त होगाI
3. विद्यार्थियों अभिव्यंजनावाद, स्वच्छदतावाद, मार्क्सवाद जैसे पाश्चात्य आलोचना के सिद्धांतोंसे परिचित होंगेI
4.अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत और लौंजाइनस के उदात्त संबंधी मान्यताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होगाI

5.शोधात्मक दृष्टि का विकास होगाI
6.रसास्वादन क्षमता विकसित होगीI

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –III

M.A.HINDI PART-II

Paper No-11

Course Code: PAR3HN11

काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

इकाई-1. 1.भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना व्याख्यान-20

1.रस सिद्धांत

1. रस का स्वरूप
2. रस के अवयव
3, रस निष्पत्ति
4. साधारणीकरण

इकाई-2. 1.अलंकार सिद्धांत

1. मूल स्थापनाएँ
2. अलंकारों का वर्गीकरण

2.रीति सिद्धांत व्याख्यान-20

1. रीति की अवधारणा
2. काव्य गुण
3. रीति और शैली
4. रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई-3. 1.प्रमुख आलोचक

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई-4. 1.पाश्चात्य काव्यशात्र: सिद्धांत और विचारक व्याख्यान-20

1.सिद्धांत और वाद

1. अभिव्यंजनावाद
2. स्वच्छदतावाद
3. मार्क्सवाद

2.विचारक

1. प्लेटो के काव्य सिद्धांत
2. अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत
3. त्रासदी और विरेचन सिद्धांत
4. लोंजाइनस:-उदान्त संबंधी मान्यताएँ

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

***Question Paper Pattern* (60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
Course: Hindi

Course Code: PAR4HN12

Paper No. 12

काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

Semester III
M.A. Hindi Part-II
Paper No. 12
काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

Name of the Programme : M.A.

Name of the Course	: Hindi
Course Code	: PAR4HN12
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना I
2. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान करनाII
3.विद्यार्थियों को साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत करानाII
4. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना I
5.साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों में समीक्षात्मक द्रष्टि विकसित करनाII
6. विद्यार्थियों को साहित्यशात्र चिन्तन से परिचित करानाII

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थियों रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत और रीती सिद्धांत जैसे भारतीय काव्यशास्त्र के काव्यांगों का ज्ञान प्राप्त होगाII
3. विद्यार्थियों अभिव्यंजनावाद, स्वच्छदतावाद, मार्क्सवाद जैसे पाश्चात्य आलोचना के सिद्धांतोंसे परिचित होंगेI
4.अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत और लौंजाइनस के उदात्त संबंधी मान्यताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होगाII
5.शोधात्मक दृष्टि का विकास होगाII
6.रसास्वादन क्षमता विकसित होगीI

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –IV

M.A.HINDI PART-II

Paper No-12

Course Code: PAR4HN12

काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

इकाई-1. 1.भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना व्याख्यान-20

1.वक्रोक्ति सिद्धांत

1. अवधारणा
2. वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद

2.ध्वनि सिद्धांत

1. स्वरूप
2. प्रमुख रचनाएँ
3. ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद

4. गुणीभूत व्यंग्य

इकाई-2. 1.औचित्य सिद्धांत — व्याख्यान-20

1. प्रमुख स्थापनाएँ
2. औचित्य के भेद

2.प्रमुख आलोचक

1. डॉ.रामविलास शर्मा
2. डॉ.नगेन्द्र
3. डॉ.नामवर सिंह

इकाई-3. 1.पाश्चात्य काव्यशात्र: सिद्धांत और विचारक — व्याख्यान-20

1. सिद्धांत और वाद

1. अस्तित्ववाद
2. संरचनावाद
3. उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई-4. 1.प्रमुख विचारक — व्याख्यान-20

1.मैथ्यू अर्नाल्ड

1. आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

2.टी.एस.इलियट

1. परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा
2. निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
3. वस्तुनिष्ठ समीकरण

3.आई. ए.रिचर्ड्स

1. व्यावहारिक आलोचना
2. रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन
3. संप्रेषण

प्रश्न 1.	पूछे गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	40
प्रश्न 2.	पूछे गये चार टिप्पणियों में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	कुल अंक:-	10
प्रश्न 3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंक:-	05
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंक:-	05

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No	Name of the Book		Name of the Author
1.	रस मीमांसा	:-	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	भारतीय काव्यशास्त्र	:-	डॉ.सत्यदेव चौधरी
3.	साहित्यलोचन	:-	डॉ.श्याम सुन्दरदास
4.	ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	:-	डॉ.राय
5.	आलोचना और आलोचना	:-	डॉ.बच्चन
6.	रस सिद्धांत स्वरूप और विश्लेषण	:-	डॉ.आनन्द प्रकाश दीक्षित
7.	हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ	:-	डॉ.रामेश्वरलाला खंडेलवाल
8.	रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	:-	डॉ.रामविलास शर्मा
9.	काव्य तत्व विमर्श	:-	डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
10.	समीक्षा शास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.श्यामसुन्दर दास
11.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन	:-	डॉ.बच्चन सिंह
12.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	:-	डॉ.सत्यदेव चौधरी

13.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	डॉ.भगीरथ मिश्र
14.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
15.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	डॉ.निर्मला जैन
16.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.मैथिलिप्रसाद भारद्वाज
17.	भारतीय काव्यशास्त्र	:-	डॉ.विजयपाल सिंह
18.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:-	डॉ.विजयपाल सिंह
19.	संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र	:-	गोपीचंद नारंग
20.	हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	:-	डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
21.	काव्य के रूप	:-	गुलाबराय
22.	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	:-	डॉ.नगेन्द्र
23.	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन	:-	डॉ. शैलेद्र कुमार शुक्ल
24.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.कृष्णदेव शर्मा
25.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.कृष्णदेव झारी
26.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.जलंधर इंगले
27.	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	:-	डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

***Question Paper Pattern* (60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)

Course: Hindi

Course Code: PAR3HN13

Paper No. 13

विशेष अध्ययन:-मराठी से हिंदी में अनुदित साहित्य

Semester III

M.A. Hindi Part-II

Paper No. 13

विशेष अध्ययन:-मराठी से हिंदी में अनुदित साहित्य

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: Hindi
Course Code	: PAR3HN13
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1.विद्यार्थियों को आधुनिक मराठी साहित्य की का उल्लेख कर सकेंगेI
2.आधुनिक मराठी साहित्य के उदय के कारणों को बता सकेंगेI
3.विद्यार्थियों मराठी गद्य साहित्य के महत्वपूर्ण लेखकों, की रचनाओं में अभिव्यक्त नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना चेतना के स्वर को जान सकेंगेI
4.विद्यार्थियों मराठी पद्य साहित्य के महत्वपूर्ण लेखकों, की रचनाओं में अभिव्यक्त नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना चेतना के स्वर को जान सकेंगेI
5.विद्यार्थियों मराठी दलित पद्य साहित्य के महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं में अभिव्यक्त दलित चेतना के स्वर को जान सकेंगेI
6.आधुनिक मराठी साहित्य के योगदान को बता सकेंगेI

Course Learning Outcomes

1.विद्यार्थियों मराठी से हिंदी में अनुदित आत्मकथा के माध्यम से संबंधित आत्मकथाकारों के युग सामाजिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगेI
2.विद्यार्थियों मराठी से हिंदी में अनुदित नाटक के माध्यम से संबंधित नाटककारों के युग

सामाजिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगेI

3.विद्यार्थियों मराठी से हिंदी में अनुदित अस्मितामूलक या राष्ट्रीय कविता के माध्यम से संबंधित कवियों के युग सामाजिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगेI

4.विद्यार्थियों मराठी से हिंदी में अनुदित नाटक के माध्यम से संबंधित कवियों के युग की न्याय व्यवस्था एवं न्यायपालिका को समझ पायेंगेI

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –III

M.A.HINDI PART-II

Paper No-13

Course Code: PAR3HN13

विशेष अध्ययन:-मराठी से हिंदी में अनुदित साहित्य

List of Text Books

1.	स्मृति के चित्र (आत्मकथा)	लेखक-लक्ष्मीबाई तिलक, संपादक-देवदत्त नारायण तिलक, अनुवादक- रामचन्द्र रघुनाथ सर्बटे प्रकाशन–साहित्य अकादमी, रविन्द भवन, ३५, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली-११०००१
2.	खामोश! आदालत जारी हैं (नाटक)	विजय तेंडूलकर, अनुवाद सरोजिनी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, प्रा. लि.1बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली 110002
3.	वेदों के पहले भी तू था (कविताएँ)	लेखक-बाबुराव बागुल, हिंदी अनुवाद- लोकनाथ यशवंत, अथर्व पब्लिकेशन, धुलिया: १७, देविदास काँलनी, वरखेडी रोड, धुलिया-४२४००१

इकाई 1. स्मृति के चित्र (आत्मकथा) **व्याख्यान -10**

इकाई 2. स्मृति के चित्र (आत्मकथा) **व्याख्यान -10**

इकाई 3. खामोश! आदालत जारी हैं (नाटक) **व्याख्यान -20**

इकाई 4. वेदों के पहले भी तू था (कविताएँ) **व्याख्यान -20**

1. तुम्हें बनना ही होगा दूसरा अंबेडकर
2. महाकवि जोतिराव फुले
3. सिद्धार्थ गौतम बुद्ध
4. हे आजादी, तुकोबा, चोखोबा को तुम दिखती ही नहीं
5. अब कोई नहीं होगा गुलाम

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No	Name of the Book	Name of the Author
1.	आदिवासी साहित्य यात्रा	:- संपादक: रमणिका गुप्ता
2.	नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द	:- निर्मला पुतुल

3.	खामोश? आदालत जारी हैं !	:-	विजय तेंदुलकर
4.	स्मृति के चित्र (आत्मकथा)	:-	लक्ष्मीबाई तिलक, अनुवादक- रामचन्द्र रघुनाथ
5.	वेदों के पहले भी तू था (कविताएँ)	:-	
6.	बाबुराव बागुल, हिंदी अनुवाद- लोकनाथ यशवंत	:-	

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

Question Paper Pattern **(60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
Course: Hindi

Course Code: PAR4HN14

Paper No. 14

जनसंचार माध्यम

Semester IV

M.A. Hindi Part-II

Paper No. 14

जनसंचार माध्यम

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: Hindi

Course Code	: PAR4HN14
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1.विद्यार्थी जनसंचार का अर्थ जान सकेंगेI
2.विद्यार्थी जनसंचार के स्वरूप का विस्तार से अध्ययन क्र सकेंगेI
3.विद्यार्थी को संचार की प्रकिया से पूर्णरूप से अवगत कराना I
4.विद्यार्थियों को जनसंचार के विविध प्रकारों की भाषा से परिचित कराना।I
5.विद्यार्थियों को जनसंचार के माध्यमोपयोगी लेखन से लेखन कला को वृद्धिगत करना।I
6.विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों माध्यमों के लिए मीडिया लेखन की जानकारी देना।I
7.मीडिया के विविध रूपों में लेखन प्रक्रिया एवं जानकारी लेना I

Course Learning Outcomes

1.विद्यार्थियों को जनमाध्यमों के विभिन्न स्वरूपों के लिए लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।I
2.व्यावसायिक क्षेत्र में उपयोगी प्रशिक्षण मिलेगा।I
3.विद्यार्थी मीडिया शब्दावली से परिचित होकर मीडिया संस्थानों में कार्य करने हेतु तैयार होंगे I
4.विद्यार्थिओं में जनसंचार के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करके व्यावसायिक दृष्टि निर्माण होगी।I
5.जनसंचार माध्यमों के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।I

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –IV

M.A.HINDI PART-II

Paper No-14

Course Code: PAR4HN14

जनसंचार माध्यम

इकाई-1. 1.जनसंचार माध्यम व्याख्यान-20

1. स्वरूप
2. अर्थ
3. परिभाषा

2. संचार प्रक्रिया के तत्व
3. सामाजिक विकास में जनसंचार की भूमिका

इकाई-2. 1.जनसंचार माध्यमों का विकास

1. मुद्रित जनसंचार माध्यम
2. श्रव्य जनसंचार माध्यम
3. दृश्य जनसंचार माध्यम
4. नव इलेक्ट्रानिक माध्यम

इकाई-3. 1.जनसंचार माध्यमों की भाषा व्याख्यान-20

1. टेलीविजन
2. विज्ञापन
3. समाचार-पत्र
4. फिल्म

इकाई-4. 1.माध्यमोपयोगी लेखन व्याख्यान-20

1. समाचर लेखन
2. उद्घोषणा लेखन
3. विज्ञापन लेखन
4. वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) लेखन
५. संवाद लेखन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No	Name of the Book		Name of the Author
1.	**जनसंचार माध्यम**	:-	**गौरीशंकर रैना**
2.	**मीडिया लेखन**	:-	**सुमित मोहन**
3.	**नये जनसंचार माध्यम और हिंदी**	:-	**सुधीर पचौरी अंचला नागर**
4.	**मीडिया और जनसंवाद**	:-	**वर्तिका नंदा**
5.	**जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग**	:-	**विष्णु राजगढायाँ**
6.	**आधुनिक विज्ञापन**	:-	**पुष्पदन्त**
7.	**विज्ञापन**	:-	**पातंजलि**
8.	**मीडिया और बाजारवाद**	:-	**संपादक:रामशरण जोशी**
9.	**भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया**	:-	**मधुकर लेले**
10.	**फीचर लेखन स्वरूप और शिल्प**	:-	**डॉ.मनोहर प्रभाकर**
11.	**पत्रकारिता और पत्रकारिता**	:-	**डॉ.अरुण जैन**
12.	**मीडिया लेखन**	:-	**विजय कुलश्रेष्ठ**
13.	**आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी**	:-	**डॉ.हरिमोहन**
14.	**इलेक्ट्रोनिक माध्यम रेडियो और दूरदर्शन**	:-	**डॉ.राममोहन पाठक**
15.	**समाचार लेखन और संपादन कला**	:-	**डॉ.हरिमोहन**

16.	संचार माध्यम लेखन	:-	गौरीशंकर रैना
17.	मीडिया लेखन	:-	डॉ.चन्द्रकांत मिश्र
18.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिंदी	:-	डॉ.रेश्मा नदाफ
19.	प्रयोजन मूलक हिंदी अधुनातन आयाम	:-	डॉ.अंबादास देशमुख
20.	प्रयोजनमू लक हिंदी के आधुनिक आयाम	:-	डॉ.महेंद्र सिंह राणा

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

***Question Paper Pattern* (60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
Course: Hindi

Course Code: PAR3HN15

Paper No. 15

प्रयोजनमूलक हिंदी

Semester III
M.A. Hindi Part-II
Paper No. 15
प्रयोजनमूलक हिंदी

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: Hindi
Course Code	: PAR3HN15
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1.विद्यार्थियों को हिंदी के प्रयोजनमूलक का परिचय कराना।
2.विद्यार्थियों को कार्यालयीन हिंदी भाषा से अवगत कराना।
3.विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के विविध प्रयोजनों और आयामों से अवगत कराना है।
4.भाषा के अनुवाद के अलग रूपों का परिचय देना और अनुवाद की ओर विद्यार्थियों को अग्रसर करना।
5.हिंदी के विविध रुपों का परिचय प्राप्त करना।
6.विज्ञापन का महत्व, आवश्यकता विज्ञापन की भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग आदि की विद्यार्थियों को जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

1.प्रयोजनमूलक हिंदी के इस प्रश्न-पत्र को पढने के उपरान्त विद्यार्थियों हिंदी से जुड़े रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जायेंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।
2.विज्ञापन और अनुवाद के संसार की अपार संभावनाओं को आजमा सकेंगे।

3.हिंदी भाषा में कार्यालीयन कामकाज करने का ज्ञान होगाI
4.व्यावहारिक एवं व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग क्र सकेगाI
5.जनसंचार माध्यमों के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगाI

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –IV

M.A.HINDI PART-II

Paper No-15

Course Code: PAR3HN15

प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी — व्याख्यान-20

1. स्वरूप, अर्थ, परिभाषा
2. विशेषताएँ
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप
4. हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप

इकाई-2. हिंदी के विविध रूप — व्याख्यान-20

1. संचार भाषा
2. संपर्क भाषा
3. राजभाषा
4. साहित्यिक भाषा

इकाई-3. अनुवाद — व्याख्यान-20

1. स्वरूप, अर्थ, परिभाषा
2. महत्व
3. प्रक्रिया
4. प्रकार
५. अनुवाद के गुण

इकाई-4. विज्ञापन — व्याख्यान-20

1. स्वरूप, अर्थ, परिभाषा
2. विज्ञापन का उद्देश्य
3. विज्ञापन का महत्व
4. विज्ञापन के भेद

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No	Name of the Book	Name of the Author

1.	प्रयोजनमूलक हिंदी	:-	दंगल झाल्टे
2.	प्रयोजनमूलक हिंदी	:-	विनोद गोदरे
3.	प्रयोजनमूलक हिंदी (केन्द्रीय हिंदी संस्थान)	:-	रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4.	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	:-	प्रो.जी.गोपीनाथन
5.	अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग	:-	कैलाशचन्द्र भाटिया
6.	विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत	:-	नरेंद्र सिंह यादव
7.	विज्ञापन व्यवसाय एवं कला	:-	डॉ.रामचन्द्र तिवारी
8.	विज्ञापन	:-	डॉ.भारद्वाज
9.	आधुनिक विज्ञापन	:-	डॉ,भंडारे उध्दव
10.	हिंदी विज्ञापनों का पहला दौर	:-	आशुतोष पार्सेकर
11.	हिंदी भाषा :उद्भव विकास और स्वरूप	:-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
12.	हिंदी का नया जनक्षेत्र	:-	सुधीर पचौरी
13.	हिंदी भाषा	:-	महावीर प्रसाद द्विवेदी
14.	भाषा विज्ञान	:-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
15.	हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन	:-	डॉ.सत्यव्रत
16.	भाषा और भाषा विज्ञान	:-	गरिमा
17.	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	:-	डॉ.कपिलदेव द्विवेदी
18.	भाषा शास्त्र तथा हिन्दी भाषा की रूपरेखा	:-	डॉ.देवेन्द्रकुमार शास्त्री
19.	खड़ीबोली का आन्दोलन	:-	डॉ.शितिकंठ मिश्र
20.	भारतीय राष्ट्रभाषा की सीमाएँ	:-	डॉ.सत्यव्रत
21.	राजभाषा के सन्दर्भ में हिंदी आन्दोलन का इतिहास	:-	डॉ.उदयनारायण दुबे
22.	राजभाषा हिंदी	:-	डॉ.कैलाश चन्द्र भाटिया
23.	प्रयोजनमूलक हिंदी	:-	डॉ.विनोद गोदरे
24.	प्रयोजनमूलक हिंदी: संरचना अनुप्रयोग	:-	डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्ता
25.	प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं व्यवहार	:-	डॉ.रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
26.	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	:-	डॉ.सुरेश कुमार
27.	अनुवाद विज्ञान	:-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
28.	अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार	:-	एस.के.शर्मा
29.	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	:-	डॉ.जी. गोपीनाथ
30.	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	:-	डॉ.कैलाशनाथ भाटिया
31.	अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ	:-	डॉ.रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
32.	अनुवाद बोध	:-	सं.डॉ.गार्गी गुप्ता
33.	काव्यानुवाद की समस्याएँसाहित्य का अनुवाद	:-	डॉ.भोलानाथ तिवारी
34.	अनुवाद भाषाएँ समस्याएँ	:-	डॉ.एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
35.	अनुवाद और मशीनी अनुवाद	:-	वृषभ प्रसाद जैन

36. प्रयोजनमूलक हिंदी तथा भाषा कम्प्यूटिंग :- सं.डॉ.जमादार ए.एच.

॥ विद्या विनयेन शोभते ॥

Janardan Bhagat Shikshan Prasarak Sanstha's

Changu Kana Thakur Arts, Commerce and Science College, New Panvel

(AUTONOMOUS)

Affiliated to University of Mumbai

Syllabus

Question Paper Pattern **(60:40)**

Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
With effect from the Academic Year 2023-24

Program M.A. Part-II

Semester- III

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit Grading and Semester System (CBCGS)
Course: Hindi

Course Code: PAR4HN16

Paper No. 16

प्रकल्प लेखन

Semester IV

M.A. Hindi Part-II

Paper No. 16

प्रकल्प लेखन

Name of the Programme	: M.A.
Name of the Course	: Hindi

Course Code	: PAR4HN16
Total Lectures	: 60
Total credit	: 06

Course Objective

1.विद्यार्थी यह जानता है कि शोधार्थी अनुसन्धान करते समय पुस्तकालय में किताबों की एक व्यवस्थित खोज कैसे की जाती है।
2.गंभीर रूप से डेटा और साहित्य की व्याख्या और मूल्यांकन कर सकते हैं
3.वैज्ञानिक रूप से बहस कर सकते हैं, तर्क की संरचना कर सकते हैं और संदर्भों के अच्छे वैज्ञानिक उपयोग का अनुसरण कर सकते हैं
4.विद्यार्थी एक शोध परियोजना में नैतिक मुद्दों की पहचान कर सकते हैं और नैतिक मंजूरी के लिए परियोजना को पंजीकृत कर सकते हैं।
5.विद्यार्थी अन्य परियोजना मसौदों और प्रस्तावों के सहकर्मी समीक्षक के रूप में काम कर सकते हैं।
6.विधार्थी पर्यवेक्षण के तहत एक स्वतंत्र शोध परियोजना को परिभाषित और तैयार कर सकते हैं।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी एक उन्नत स्तर पर एक शोध विषय को परिभाषित कर सकते हैं
2. विद्यार्थी अनुसंधान के लक्ष्यों, उद्देश्यों और शोध प्रश्न में विस्तृत कर सकते हैं।
3. विद्यार्थी एक शोध आधारित निष्कर्ष पर लक्षित सिद्धांत और कार्यप्रणाली के विषय को जोड़ सकते हैं।
4. विद्यार्थी गुणवत्ता अनुसंधान प्रकाशनों और डेटा की विशेषताओं को जानता है।
5. हिंदी साहित्य में शोध कौशल का विकास करना॥
6. विभिन्न अनुसंधान विधियों और दृष्टिकोणों को समझना॥

अध्ययन पध्दति

1.व्याख्यान तथा विश्लेषण
2.दृक-श्रव्य माध्यमों या साधनों का प्रयोग
3.संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा
4.पावर पाइंटप्र जेंटेशन PPT
5.अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान

Semester –IV
M.A.HINDI PART-II
Paper No-16
Course Code: PAR4HN16

प्रकल्प लेखन

इकाई 1. व्याख्यान-60

अंक विभाजन :-

1. 60 अंक प्रकल्प के लिए
2. 40 अंक मौखिकी के लिए

सुचना :- चांगू काना ठाकूर कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त) नवीन पनवेल का 'हिंदी अध्ययन मंडल' प्रकल्प के लिए विषय उपलब्ध कराएगाI चांगू काना ठाकूर कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त) नवीन पनवेल, अन्य विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपलब्ध करेंगेI

विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहने वाले का मानधन संबंधित संस्थान को देना होगा I

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

Sr.No	Name of the Book		Name of the Author
1.	अनुसन्धान परिचय	:-	पारसनाथ राय , सी.पी. राय
2.	अनुसंधान समस्या परिभाषित करना (साहित्य का पुनर्विलोकन)	:-	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3.	अनुसन्धान: स्वरूप एवं आयाम	:-	संपादक- उमाशंकर गुप्त
4.	अनुसन्धान का विवेचन	:-	उदयभानु सिंह
5.	अनुसन्धान प्रविधि:सिद्धांत और प्रक्रिया	:-	एस.एन.गणेशन
6.	रिसर्च मैथडोलॉंजी	:-	लक्ष्मीनारायण कोली
7.	सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसन्धान	:-	राम आहूजा
8.	शोध पद्धतियाँ	:-	डॉ.बी.एल.फाडिया
9.	अनुसन्धान विधियाँ व्यावहारिक विज्ञानों में	:-	एच.के.कपिल

EXAMINATION

1.	**External Examination(Semester end Examination**	कुल अंकः-	60
2.	**Internal Examination**	कुल अंकः-	40
1.	कक्ष परीक्षा	कुल अंकः-	20
2.	कक्षा में उपस्थिति	कुल अंकः-	05
3.	कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता/ शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	कुल अंकः-	15

एम्.ए.द्वितीय वर्ष सेमिस्टर III से IV के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप

पेपर क्रमांक :- 11, 12, 14, 15

प्रश्न 1.	पूछे गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	कुल अंकः-	40
प्रश्न 2.	पूछे गये चार टिप्पणियों में से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	कुल अंकः-	10
प्रश्न 3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंकः-	05
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंकः-	05

पेपर क्रमांक :- 9, 10, 13

प्रश्न 1.	सन्दर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	कुल अंकः-	20
प्रश्न 2.	दिर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	कुल अंकः-	30
प्रश्न 3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		
	1.अतिलघुत्तरी प्रश्न -05	कुल अंकः-	05
	2.बहुविकल्पीय प्रश्न-05	कुल अंकः-	05

पेपर क्रमांक :- 16

1.	प्रकल्प लेखन	कुल अंकः-	60
२.	प्रस्तुतिकरण	कुल अंकः-	40